डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

21 जुलाई 2024 रविवार

आज का मौसम

32 अधिकतम

24 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

मध्यप्रदेश में तीन दिन जबर्दस्त बारिश, नर्मदापुरम में बिगड़े हालात

मॉनसून की संडे को डबल ड्यूटी, पहाड़ दरके, घरों में घुसा पानी, कई मौतें

भोपाल/ नई दिल्ली, दोपहर मेट्रो एजेंसी।

मानसून का जबर्दस्त स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव होने से मप्र में अब अगले तीन दिन जोरदार बरसात के आसार हैं। देर रात से जारी बारिश में पचमढी में पहाड़ दरकने लगे हैं, होशंगाबाद में घरों में पानी घुस गया है, घर की दीवार मां बेटी पर दीवार गिरने से बेटी की मौत हो गई है। उत्तराखंड, हिमाचल से लेकर मुंबई व अन्य राज्यों में हालात बिगड रहे हैं। । नर्मदापुरम में भारी बारिश से सुबह निचली बस्तियों में पानी भर गया है। जिला प्रशासन के मुताबिक, 11 मकानों को भारी नुकसान हुआ है। आज सुबह तक 2.44 इंच बारिश हुई। जबकि पचमढ़ी में लैंड स्लाइड से पहाड़ से सटा रास्ता बंद हो गया। सीहोर के बुधनी और रेहटी में लगातार हो रही बारिश से घर-दुकानों में पानी घुस गया है। इटारसी में जीआरपी थाने में पानी भर गया। मौसम विभाग ने अगले 3 दिन पूरे मध्यप्रदेश में तेज बारिश का अलर्ट दिया है। सुबह भोपाल में भी तेज पानी गिरा। इंदौर समेत कुल 31 जिलों में तेज पानी गिरने का अलर्ट है। पिपरिया में हथवास-सिलारी रपटे के ऊपर से मछवासा नदी का पानी जा रहा है। भोपाल-जबलपुर स्टेट हाईवे बंद करना पड़ा है। माना जाता है कि विदिशा, रायसेन, सीहोर, नर्मदापुरम, बैतूल, बुरहानपुर, खंडवा, देवास, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट और पांढुर्णा जिलों में 24 घंटे के अंदर 4.5 से 8 इंच तक बारिश हो सकती है।

उधर सौराष्ट्र-गुजरात के आसपास साइक्लोनिक सर्कुलेशन एक्टिव है। बंगाल की खाड़ी के आसपास लो प्रेशर एरिया है। मानसून ट्रफ प्रदेश के श्योपुर, दमोह, मंडला की तरफ से गुजर रही है। दूसरी ओर, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर की खाड़ी से नमी भी आ रही है। इस कारण बारिश की स्ट्रॉन्ग एक्टिविटी रहेगी।

हिमाचल में बादल फटा

अब तक 40 की मौत; पहाड़ से लेकर मैदान तक मानसूनी बारिश कहर बरपा रही है। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में भारी बारिश के बीच बादल फटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई है कई सडकों और घरों को भी नुकसान पहुंचा है। गुजरात, मुंबई और ओडिशा के विभिन्न क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश ने तबाही मचा दी है। कई इलाके जलमग्न हो गए हैं और घरों तक में पानी घुस गया है। सडकें दरियां बन गई हैं और यातायात ठप हो गया है। देश के अन्य राज्यों में भी कहीं हल्की तो कहीं भारी बारिश हो रही है।

मुंबई में भी जलमग्न

मुंबई में पिछले 72 घंटों से हो रही मूसलाधार बारिश के दौरान दक्षिण मुंबई के ग्रांट रोड स्टेशन के पास पुरानी इमारत सैदुन्निसा मंजिल की दूसरी और तीसरी मंजिल की बालकनी और स्लैब का हिस्सा ढहने से एक 70 वर्षीय महिला की मौत हो गई और 13 लोग घायल हुए हैं। हादसा सुबह करीब 11 बजे हुआ। बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र शनिवार को चिल्का झील के पास तट को पार कर गया और इसके प्रभाव से ओडिशा के मलकानगिरी जिले समेत तटवर्ती इलाकों में भारी बारिश हुई।

केदारनाथ में हादसा, तीन तीर्थयात्रियों की मौत

देहरादून। गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग पर रविवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। चिरबासा के पास पहाड़ी से अचानक भारी मात्रा में मलबा और बोल्डर गिर गए। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि यात्रा पर जा रहे तीन तीर्थयात्री की मौत हो गई, जबकि पांच घायल हो गए। वहीं, कई यात्रियों के अभी मलबे में दबे होने की आशंका है। घायलों में भी दो यात्री महाराष्ट्र के व अन्य स्थानीय बताए जा रहे हैं। घायलों को उपचार के लिए गौरीकुंड अस्पताल में भेजा गया है। कई यात्रियों के अभी मलबे में दबे होने की आशंका है। घायलों में भी दो यात्री महाराष्ट्र के व अन्य स्थानीय बताए जा रहे हैं। घायलों को उपचार के लिए गौरीकुंड अस्पताल में भेजा गया है। घटना सुबह साढ़े सात बजे की हैं। केदारनाथ में 16 किमी लंबे गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग पर पल-पल भूस्खलन का हमेशा खतरा रहता है।

खंडवा में 4 लाख लोग जुटे

गुरूओं को नमन कर रहे सीएम हर जिले में जारी गुरू पूजन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आज पूरे प्रदेश में गुरु पूर्णिमा पर कई आयोजन हो रहे हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव इंदौर में देवी अहिल्या विवि में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं। वहीं खंडवा में दादा धूनीवाले के दरबार में गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया जा रहा है। शिष्य दादा की समाधि पर मत्था टेककर धूनीमाई में आहूति दे रहे हैं। पीछे के गेट से दर्शन करने पहुंच रहे भक्तों को समाधिस्थल तक पहुंचने में आधा घंटा लग रहा है। दादा के दरबार में आज करीब चार लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। आज यहां विशेष पूजा या आरती नहीं होगी। एक दिन पहले शनिवार को डेढ़ लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। भोपाल में भी कई आयोजन जारी हैं। सरकार ने मंत्रियों को भी जिलों में रहकर गुरूओं का सम्मान करने के लिये कहा है।

सीहोर के कुबेरेश्वर धाम में गुरु पूर्णिमा पर एक दिवसीय दीक्षा समारोह का आयोजन किया जा रहा है। उज्जैन में सांदीपनि आश्रम, छतरपुर के बागेश्वर धाम, दतिया के पीठांबरा पीठ समेत प्रदेशभर में कई धार्मिक स्थान और चित्रकूट के गुरुकुलों में गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया जा रहा है।

खतरे की अनदेखी से गोंडा में हुआ रेल हादसा, रिपोर्ट

गोंडा , एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में मोतीगंज-झिलाही रेलवे स्टेशनों के बीच पिकौरा गांव के पास बीते दिनों चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के दुर्घटनाग्रस्त होने की वजह सामने आ गई है। हादसे की जांच रिपोर्ट में रेलवे के इंजीनियरिंग सेक्शन की लापरवाही के चलते डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस ट्रेन के बेपटरी होने की बात कही गई है। इसमें कहा गया है कि जिस जगह पर ट्रेन बेपटरी हुई, वहां ट्रैक में चार दिन से बकलिंग (गर्मी में पटरी में फैलाव होना) हो रही थी। बकलिंग के कारण 18 जुलाई को 70 किमी. प्रति घंटा की रफ्तार से गुजर रही चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस की कुल 16 बोगियों पटरी से उतर गई थीं, जिसके बाद तीन एसी कोच ट्रैक पर पलट गए थे। इस हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक घायल हो गए थे। दुर्घटना से

पहले कीमैन का काम देख रहे रेलवे कर्मी ने जूनियर इंजीनियर को फोन पर रेल ट्रैक के कमजोर होने का खतरा बताया था। मगर सेक्शन अफसरों ने ट्रैक पर सावधानी बरतने के लिए कोई संदेश नहीं लगाया।

सावन में संडे को खुलेंगे स्कूल

उज्जैन दोपहर मेट्रो।

अब कल से उज्जैन में 2 सितंबर तक पहली से 12वीं तक के स्कूल रविवार को भी लगेंगे, जबकि सोमवार को अवकाश रहेगा। सावन महीने में भगवान महाकाल की निकलने वाली सवारी को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। दरअसल, सवारी में भीड़ को देखते हुए कई रास्ते बंद कर दिए जाते हैं। सावन-भादौ में भगवान महाकाल की हर सोमवार कुल 7 सवारियां निकाली जाएंगी। इनमें पांच सवारी सावन और दो सवारी भादौ महीने की रहेंगी।

केरल सरकार ने बनाया विदेश विभाग, सीएस ने कहा ऐसा नहीं

तिरुवनंतपुरम, दोपहर मेट्रो।

केरल के मुख्य सचिव डॉ वी वेणु ने एक बयान जारी करते हुए साफ कर दिया है कि कि राज्य में 'विदेश सचिव' जैसा कोई पद नहीं है. उन्होंने एक मीडिया रिपोर्ट की भी कड़ी आलोचना की, जिसमें कहा गया था कि सरकार ने राज्य में एक आईएएस अधिकारी को 'विदेश सचिव' नियुक्त किया है। उन्होंने रिपोर्ट को फर्जी बताया। मुख्य सचिव ने कहा कि सरकार में बैठे लोग इस बुनियादी तथ्य से अंजान नहीं हैं कि विदेशी मामले केंद्र सरकार का विषय हैं। उन्होंने कहा कि हकीकत ये है कि राज्य सरकार ने कुछ समय पहले वाणिज्यिक, औद्योगिक और सांस्कृतिक सहयोग के लिए विदेशी एजेंसियों, बहुपक्षीय संस्थानों और दूतावासों के साथ बातचीत के कॉर्डिनेशन के लिए विदेशी सहयोग का एक प्रभाग बनाया था।

मेट्रो एंकर

सुप्रीम कोर्ट ने तमाम कार्रवाई पर रोक लगाई

किस्त में देरी या चैक बाउंस..घर खरीदारों से सख्ती नहीं करेंगे बिल्डर और बैंक

नई दिल्ली , एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट ने एनसीआर में अब तक घर का कब्जा नहीं पाने वाले खरीदारों को बड़ी राहत देते हुए बैंकों को उनके खिलाफ किस्त भुगतान में देरी या चेक बाउंस होने पर कार्रवाई से रोक दिया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि बैंक, वित्तीय संस्थाएं या बिल्डर की ओर से ऐसे किसी भी घर खरीदार के खिलाफ मुकदमे पर विचार नहीं किया जाएगा। अदालत दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें कई घर खरीदारों की याचिकाओं को खारिज कर दिया गया था। खरीदारों ने बैंकों व वित्तीय संस्थानों को निर्देश देने की मांग की थी कि वे उनके फ्लैटों का कब्जा दिए जाने तक ईएमआई न लें। खरीदारों ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया जहां उनकी अपील मंजूर कर ली गई। कोर्ट ने संबंधित पक्षकारों से जवाब मांगा है। जस्टिस सूर्यकांत व जस्टिस

उज्जल भुइयां की पीठ ने केंद्र, बैंकों व अन्य को नोटिस जारी किया। इस बीच, सभी मामलों में अंतरिम रोक रहेगी।

पीठ ने कहा, अधिकांश वित्तीय संस्थानों, बैंकों ने जवाबी हलफनामे दाखिल कर दिए हैं। जिन्होंने नहीं किए हैं, उन्हें दो सप्ताह का अंतिम मौका दिया जाता है। इस मामले में अगली सुनवाई 27 सितंबर को होगी। घर खरीदारों ने शीर्ष कोर्ट में दाखिल याचिका में कहा कि वे आरबीआई के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करते हुए बैंक की ओर से सीधे बिल्डर के खाते में ऋण के अवैध वितरण के शिकार हैं। हाईकोर्ट ने इस आधार पर रिट याचिकाओं पर विचार से मना कर दिया था कि याचिकाकर्ताओं के पास उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, दिवाला व दिवालियापन संहिता और रियल एस्टेट विनियमन व विकास अधिनियम जैसे कानूनों के तहत वैकल्पिक उपाय हैं।

टीटी नगर थाने के बाहर अब कांग्रेस कार्यकर्ता के जन्मदिन पर हनुमान चालीसा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कांग्रेसजनों ने कल शाम वार्ड 47 अध्यक्ष श्बन्टी जैन के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में हनुमान चालीसा का पाठ पूर्व मंत्री पी.सी.शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेसजनों किया। इससे पहले पत्र लिखकर शर्मा ने थाने के भीतर इस पाठ की अनुमति मांगी थी उल्लेखनीय है कि 18 जुलाई को जब कांग्रेस द्वारा अशोका गार्डन थाने की ओर जा रहे है पैदल मार्च को रोका गया टी. आई. ने इसकी वजह भाजपा के पूर्व पार्षद को थाना परिसर में जन्म दिवस पर सुन्दर काण्ड की अनुमति देना बताया था। जबकि तमाम वरिष्ठ कांग्रेस नेता नर्सिंग घोटाले के खिलाफ मंत्री विश्वास सारंग पर कार्रवाई हेतु ज्ञापन देने जा रहे थे। इसीलिए पीसी शर्मा ने टीटी नगर थाने मे कांग्रेस कार्यकर्ता बन्टी जैन के जन्म दिवस पर सुन्दरकाण्ड़ पाठ की अनुमति मांगी। जो नही दी गई। लिहाजा सड़क पर हनुमान चालीसा की गई व जैन का जन्मदिन मना।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, अध्यक्ष ग्रामीण अनोखी पटेल, भोपाल लोक सभा प्रत्त्याशी अरूण श्रीवास्तव, पार्षद योगेन्द्र सिंह 'गुड्डू' चौहान, पूर्व पार्षद राज सिंह, लता देवरे, बन्टी जैन, अखिलेश जैन आदि सैकड़ो कांग्रेस कार्यकत्ता मौजूद थे।

प्लेटफार्म 5 पर लिफ्ट बंद, यात्रियों को फुटओवर ब्रिज से जाना पड़ता है

बारिश ने रेल्वे स्टेशन पर फैलाई बदहाली

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बारिश ने रेल्वे स्टेसन पर भी बदहाली फैला दी है। भोपाल स्टेशन के प्लेटफार्म 5 पर लिफ्ट बंद पड़ी है। जिसके चलते यात्रियों को एक फुटओवर ब्रिज से जाना पड़ रहा है। कल से स्टेशन पर प्लेटफॉर्म 5 से आने जाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी, जिसके चलते आने व जाने वाले रेल यात्रियों को एफओबी का इस्तेमाल करना पड़ा। जिसके चलते एफओबी पर आमने सामने आने वाले लोगों की जाम जैसी स्थिति बनने लगी। यहीं नहीं, स्टेशन पर करीब साल भर से बंद एटीएम के चलते भी यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

लिफ्ट में घुसा पानी

स्टेशन अधिकारियों के अनुसार भोपाल स्टेशन पर प्लेटफॉर्म 5 पर स्थित लिफ्ट में बारिश का पानी चला गया। जिसके चलते लिफ्ट का सेंसर खराब हो गया। तीन दिन से यह लिफ्ट बंद है। जिसकी मरम्मत का काम इन दिनों चल रहा है। भोपाल स्टेशन पर 6 एस्केलेटर और चार लिफ्ट हैं। जब यात्री 6 नंबर प्लेटफॉर्म की बिल्डिंग से यहां पहुंचेतो ऐस्केलेटर बंद मिला। फिर जब एफओबी पर आया तो नीचे तक आना बहुत मशक्कत का काम हो गया। बता दें, भोपाल स्टेशन पर हाल ही में यह एस्केलेटर शुरू हुआ है।

'सुधार कार्य चल रहा है'

भोपाल रेल मंडल प्रवक्ता नवल अग्रवाल ने बताया तकनीकी कारणों की वजह से लिफ्ट बंद है। इसका सुधार कार्य चल रहा है। जिसे जल्द ही सही कर लिया जाएगा। इसके अलावा एस्केलेटर चालू है। इसमें दिक्कत जैसा कुछ नहीं है। ज्ञात हो कि भोपाल स्टेशन पर रोजाना 45 हजार से अधिक फुटफॉल है। 25 हजार से अधिक लोग प्लेटफॉर्म 1 की तरफ से आते जाते हैं।

कैश निकालने 1 किलोमीटर जाना मजबूरी

भोपाल स्टेशन पर यात्रियों को लगातार कैश निकालने को लेकर परेशानियों का सामना करना प? रहा है। इन दिनों यात्रियों को कैश निकालने के लिए 1 किमी दूर जाना प? रहा है। स्टेशन अधिकारियों की माने तो प्लेटफॉर्म नंबर एक पर स्टेशन परिसार में दो एटीएम थे, जिसमें से एक करीब साल भर से बंद है। बताया जा रहा है कि रेलवे की नई पॉलिसी के चलते यह बैंक एटीएम में कंपनियां भाग नहीं ले रहीं हैं। एटीएम का टेंडर अक्टूबर 2023 में समाप्त हो चुका था, इसके बाद रेलवे ने 3 बार ठेका अलॉट किया, जिसमें बैंकों या एटीएम कंपनियों ने भाग नहीं लिया। अक्टूबर 2023 से पहले तक रेलवे द्वारा एटीएम के लिए परिसर में जगह 10 बाय 10 की जगह दी जाती थी, जिसे रेलवे ने घटाकर 6 बाय 6 कर दिया है।

एक सड़क को डेट दशक से बर्बाद कर रहा पानी

बदहाली स्टेशन की ही नही बल्कि सड़कों की भी नहीं सुधर रही है। मसलन रायसेन रोड को अयोध्या बायपास की कॉलोनियों से जोड़ने वाली जेके रोड सिर्फ नाम की आदर्श रोड बची है। यह चार बार बन चुकी है। 20 करोड़ खर्च हो चुके हैं। अब पांचवीं बार बन रही है। हर दो-तीन साल में उखड़ती सड़क पर हर बार नई बनाने के नाम पर अलग-अलग प्रयोग किए जाते रहे, लेकिन सबसे अहम वजह यानी ड्रेनेज सिस्टम

कभी नहीं बनाया। नतीजतन बारिश का पानी रोड को नुकसान पहुंचाता रहा। अब नए सिरे से पूरी सड़क सीमेंट कांक्रीट की बनाई जा रही है। इसमें ड्रेनेज सिस्टम बनाया जा रहा है, लेकिन रोड का काम इतना धीमा है कि एक साल से चल रहे आधे-अधूरे निर्माण के कारण दिनभर जाम की स्थिति बनती है। करीब दो किमी के इस रोड से अयोध्या बायपास, जेके रोड, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया सहित आसपास की 50 से ज्यादा कॉलोनियों के लोगों का प्रमुख रास्ता है।

कई राज्यों में बाघ-पेंगोलिन का शिकार करने वाला अजीत 11 साल बाद गिरफ्तार

बालाघाट से पकड़ाया, पेंच टाइगर रिजर्व में बाघ का किया था शिकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र व महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में बाघ व पेंगोलिन का शिकार करने और उनके अवशेषज्ञों को अंतर राष्ट्रीय तस्करों तक भेजने वाला आरोपी अजीत 11 साल बाद गिरफ्तार हुआ है। उसे पकड़ने के लिए स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स (एसटीएसएफ) वर्षों से प्रयास कर रही थी, यहां तक कि उस पर 5 हजार रुपये का ईनाम तक घोषित किया था। जब वह 18 जुलाई को बालाघाट पहुंचा तो उसे घेराबंदी कर पकड़ लिया गया।

स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स (एसटीएसएफ) की ओर से दी अधिकृत जानकारी के मुताबिक पेंच टाइगर रिजर्व में वर्ष 2013 में एक बाघ का शिकार हुआ था, उसमें आरोपी अजीत का नाम सामने आया था। तभी से उसकी तलाश जारी थी लेकिन वह नहीं मिला, जबकि उक्त मामले में 10 आरोपियों को पहले ही पकड़ा जा चुका है। वह गुरुवार को बालाघाट से पकड़ाया है, उसके कब्जे से पेंगोलिन की खाल, उनके अवशेष मिले है। एसटीएसएफ के अधिकारियों का कहना है

कि आरोपी अजीत के खिलाफ सीबीआई में 2009 में, महाराष्ट्र के करंडला अभयारण्य में 2013 में बाघ का शिकार करने से जुड़े अपराध दर्ज है।

संगोष्ठी में सड़क सुरक्षा पर मंथन

हेलमेट पहनने से गंभीर चोट की आशंका 88 प्रतिशत तक कम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सड़क दुर्घटना के दौरान अगर किसी चालक ने हेलमेट पहना होता है, तो उसे सिर में गंभीर चोट लगने की आशंका 88 प्रतिशत तक कम हो जाती है। साथ ही चेहरे पर चोट लगने की आशंका भी 65 प्रतिशत तक घट जाती है। वहीं कार में सीट बेल्ट लगाने गंभीर रूप से घायल होने का रिस्क 75 प्रतिशत तक कम कर देता है। भोपाल स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र बीएमएचआरसी के न्यूरो सर्जरी विभाग द्वारा शनिवार को आयोजित हुई संगोष्ठी में शहर के विभिन्न शासकीय और प्रायवेट अस्पतालों व महाविद्यालयों में पदस्थ वरिष्ठ न्यूरो सर्जन्स ने यह जानकारी दी। आम लोगों में सड़क सुरक्षा और इसकी वजह से सिर में लगने वाली गंभीर चोटों के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देने के लिए इस संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। डीसीपी (जोन 1) प्रियंका शुक्ला कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं। कार्यक्रम में बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक डा. मनीषा श्रीवास्तव, न्यूरो सर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष डा. संदीप सोरते, एसोसिएट प्रोफेसर डा. सौरभ दीक्षित व अन्य वरिष्ठ चिकित्सक उपस्थित रहे।डीसीपी (जोन-1) प्रियंका शुक्ला ने कहा कि सड़क दुर्घटनाएं रोकने के लिए दोपहिया वाहनों चालकों का हेलमेट पहनना बहुत आवश्यक है। शहर के लोकप्रिय स्थानों पर हेलमेट पहनकर आना अनिवार्य करना होगा। जबलपुर में पुलिस ने इस तरह का नियम लागू भी किया था। शिकार होने वाले अधिकतर लोग 15 से 40 वर्ष के पुरुष वरिष्ठ न्यूरोसर्जन डा. नितिन गर्ग ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं का शिकार

होने वाले अधिकतर लोग 15-40 वर्ष के पुरुष होते हैं। उनके दुर्घटनाग्रस्त होने से पूरे परिवार पर इसका गंभीर असर पड़ता है। इलाज पर लाखों रुपये खर्च करने पड़ते हैं, जिससे कई परिवार आर्थिक संकट से पूरी तरह टूट जाते हैं।

जीएमसी न्यूरो सर्जरी विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डा. रजनीश गौर ने कहा कि कई बार सिर पर लगने वाली चोट से व्यक्ति की जान तो बच जाती है, लेकिन वह पूरी तरह ठीक नहीं हो पाता। उसे बोलने में, सुनने में दिक्कत हो सकती है। सोचने की शक्ति और नींद प्रभावित हो सकती है। यह भी हो सकता है कि उसे जीवनभर फिजियोथैरेपी या अन्य थैरेपी का सहारा लेना पड़े।

मेट्रो एंकर | साधारण सभा में महासचिव को लेकर हुआ हंगामा, दो उपाध्यक्ष ने रोकी माधु की अध्यक्ष बनने की राह

पूज्य सिंधी पंचायत की कार्यसमिति भंग!

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सिंधी समाज की प्रतिनिधि संस्था पूज्य सिंधी पंचायत संतनगर की साधारण सभा दादा साबू रीझवानी की जगह नए अध्यक्ष का फैसला नहीं कर सकी। अध्यक्ष पर तो सहमति बनी थी, लेकिन महासचिव को लेकर दो उपाध्यक्ष अड़ गए और हंगामा हो गया। साधारण सभा ने नए सिरे से चुनाव करने का फैसला ले लिया। झूलेलाल मंदिर में शनिवार को हुए पूज्य सिंधी पंचायत की साधारण सभा की बैठक आहुत की गई थी। 4000 हजार से अधिक सदस्यों वाली पंचायत की साधारण सभा में महज 120 सदस्य ही पहुंचे। जिसमें वरिष्ठ समाजसेवी विष्णु गेहानी ने साबूमल रीझवानी की खाली जगह पर महासचिव माधु चांदवानी और महासचिव के लिए कार्यवाहक अध्यक्ष भरत आसवानी के नाम प्रस्ताव रखा। सहमति से फैसला होने वाला ही था, लेकिन पंचायत के उपाध्यक्ष जगदीश आसवानी कहा, मैं भी महासचिव के लिए दावा कर रहा हूं। इसके बाद हंगामा हो गया।

सूचना पत्र नहीं भेजे गए: साधारण सभा में केवल तीन-चार प्रतिशत सदस्यों की मौजूदगी का कारण सभा की सूचना वाट्सअप पर देना माना जा रहा है। कहा जा रहा है कायदे से सूचना पत्र के द्वारा दी जानी चाहिए थी। इतने कम सदस्यों द्वारा लिया गया चुनाव जैसा बड़ा फैसला न्याय संगत नहीं हैं। बैठक में पंचायत के संविधान की प्रति लहराई गई, आजीवन सदस्य राजेन्द्र धनवानी ने कहा पंचायत को कार्यवाहक अध्यक्ष के साथ बचा हुआ कार्यकाल पूरा करना चाहिए।

चुनाव प्रक्रिया शुरू हो

विवाद की स्थिति बनने पर मौजूद सदस्यों ने कहा नए सिरे से चुनाव कर लिए जाना चाहिए, जो जल्द हों। साधारण सभा में एक मत नहीं बन पा रहा है तो चुनाव ही बेहतर होगा। वरिष्ठ सदस्यों का कहना है कि साधारण सभा में चुनाव करने का फैसला होने के बाद पंचायत की मौजूदा कार्यकारिणी भंग हो गई। चुनाव प्रक्रिया जल्द शुरू होना चाहिए।

चुनाव थोपा गया है

कार्यवाहक अध्यक्ष भरत आसवानी ने कहा यह चुनाव थोपा हुआ है एक-दो लोगों की सांठगांठ के चलते चुनाव का फैसला हुआ। वरिष्ठ उपाध्यक्ष था, इसलिए कार्यवाहक अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली थी। पंचायत का बचा कार्यकाल कार्यवाहक अध्यक्ष के साथ पूरा किया जाना था। लेकिन महासचिव माधु चांदवानी अध्यक्ष बन रहे तो उनकी जगह महासचिव बनने का हक मेरा ही था।

माफ करना दादा साबू रीझवानीजी

पूर्व दिवंगत अध्यक्ष साबू रीझवानी को साधारण सभा की बैठक में याद नहीं किया। न ही उनकी तस्वीर नजर आई। पद की महत्वाकांक्षा के चलते भावांजलि भी अर्पित नहीं हो सकी। कहा जा रहा था सभा का अंत दादा साबूमलजी को श्रद्धांजलि के साथ होना था। लेकिन, हंगामे की वजह यह नहीं हो सका।

गुरु पूर्णिमा पर जीवन की पहली गुरु मां के नाम का पौधा लगाया

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

द लॉयन सिटी वेलफेयर सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष कमलेश रायचंदानी के नेतृत्व मे सोसायटी के पदाधिकारी और सदस्य गणों ने गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर वृक्ष लगाकर जीवन की पहली गुरु मां को धन्यवाद अर्पित किया। इस मौके पर अध्यक्ष कमलेश रायचंदानी, उपाध्यक्ष कैलाश साधवानी, सचिव मुन्ना आडतानी, महासचिव जितेश सदारंगाणी, कैमरामैन प्रकाश तनवानी, हरीश कुमार लालवानी जानी कुमार मूलचंदानी, डा आशीष लावान्गानी, रमेश कुमार कृष्णानी, प्रदीप मालवीय, नरेश वासवानी आदी मोजूद रहे । कमलेश रायचंदानी ने बताया कि हमें जन्म देने वाली हमारी मां, हमारी धरती मां और हमारी रक्षा करने वाली

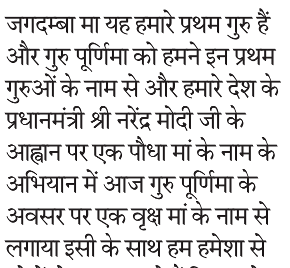

जगदम्बा मा यह हमारे प्रथम गुरु हैं और गुरु पूर्णिमा को हमने इन प्रथम गुरुओं के नाम से और हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर एक पौधा मां के नाम के अभियान में आज गुरु पूर्णिमा के अवसर पर एक वृक्ष मां के नाम से लगाया इसी के साथ हम हमेशा से लोगों से आग्रह करते हैं कि अपने हर दुख सुख में एक वृक्ष जरुर लगाऐ और उसे वृक्ष , पौधे को लगाने के बाद उसकी देखभाल जरूर करें तभी आपका वृक्ष लगाना पौधा लगाना सार्थक होगा।

रीजनल इंडस्ट्री समिट में जमकर बरसे प्रस्ताव

सोलर एनर्जी और पावर में अडानी ग्रुप ने खोली झोली

साढ़े 4 हजार करोड़ का निवेश होगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सोलर एनर्जी और पावर के क्षेत्र में अदानी ग्रुप मप्र में करीब 4500 करोड़ का निवेश करने जा रहा है। यह निवेश प्रस्ताव फाइनल हो गया है। यह कल जबलपुर में हुई रीजनल इंडस्ट्री समिट का फलितार्थ है। समिट में निजी क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज और मल्टीस्पेशियलटी अस्पतालों के साथ शैक्षणिक संस्थानों के लिए भी प्रस्ताव आए हैं। छिंदवाड़ा के लिए भी एक हजार करोड़ से अधिक के दो प्रस्ताव आए। रीजनल इंडस्ट्री कान्क्लेव में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने निवेशकों के साथ वन-टू-वन और राउंड टेबल चर्चा की। इस दौरान कई क्षेत्रों में निवेश के प्रस्ताव मिले। कार्यक्रम में मंत्री चैतन्य कश्यप, प्रहलाद पटेल, राकेश सिंह, संपतिया उइके, धर्मेन्द्र लोधी, लखन पटेल भी मौजूद रहे। शुरूआत में उद्योग विभाग के पीएस राघवेंद्र कुमार सिंह ने मप्र में निवेश के अवसरों और उपलब्ध संसाधनों के बारे में विस्तार से बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खनन में मप्र केवल उड़ीसा से पीछे हैं, खदानों की नीलामी में हम पहले नंबर पर हैं। फार्मा सेक्टर में भी मप्र 275 यूनिट हैं और 160 देशों को दवाएं निर्यात होती हैं। फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स के लिए हम 150 प्रतिशत प्रोत्साहन देने के लिए तत्पर हैं। दो मेगा फूड पार्क विकसित किए गए हैं।

इस मौके पर एमएसएमई मंत्री चेतन्य कश्यप ने कहा कि हर जिले में इंक्यूबेशन सेंटर को प्रमोट किया जाएगा ताकि नए-नए आइडिया निकलकर आएं। लघु उद्योग विकास बैंक से भी टाइ अप किया है। बैंक के माध्यम से तीन स्टार्टअप में 2.80 करोड़ का निवेश कराया गया। इसीलिए प्रदेश को लीडर के रूप में मान्यता मिली। उन्होंने कहा कि हाल ही में आलीराजपुर में पलंग, अलमारी आदि बनाने की छोटी 60 यूनिट हैं। इनके लिए कामन फेसिलिटी सेंटर बनाने रोबोटिक प्लांट का 30 करोड़ का प्रस्ताव केंद्र को भेजा है। जहां जरूरत होगी ऐसे सेंटर बनाए जाएंगे ताकि उत्पादन बढ़ सके। प्रदेश को निर्यात को बढ़ाने एमएसएमई को बढ़ाया जाएगा।

आरएसएस सह संघ कार्यवाह अरुण कुमार ने प्रदेश भाजपा संगठन से कहा

हर हाल में हो सरकार और संगठन के बीच समन्वय

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने शनिवार प्रदेश भाजपा संगठन की बैठक ली। जिसमें प्रदेश के प्रमुख विषयों पर बात की। लोकसभा और विधानसभा चुनाव में मिली जीत के लिए किए गए संघर्षों को रेखाकित किया गया। बैठक में क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा व प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद मौजूद थे।

सूत्रों के मुताबिक सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने सरकार के कामकाज पर जोर देने की बात कही है ताकि यह सरकार के अच्छे–बुरे निर्णयों से होने वाले प्रभावों की जानकारी रहे। सरकार को समय–समय पर मदद करने की बात भी कही। आपस में समन्वय बना रहे, इस बात पर सबसे अधिक जोर दिया गया। आगामी विधानसभा उप चुनाव की अच्छी तैयारियां रखने को लेकर भी बातचीत हुई है।

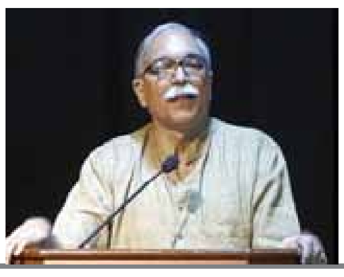

समन्वय बैठक में इन विषयों पर भी दिया जोर

— लंबे समय से भाजपा सत्ता में है इसलिए कहीं कोई अंदरुनी कलह या दूसरे दूसरे दलों से आने वाले नेताओं को लेकर नाराजगी तो नहीं है, इस पर नजर रखें। दूसरे संगठनों से आने वालों को पार्टी की रीति–नीति के बारे में बताएं। उनका जुड़ावा पैदा करें।

– खंडवा, राजगढ़ समेत कुछ जिलों में फीलिस्तीनी झंडे दिखे थे। देखें कि इसके पीछे कोई विदेशी ताकत हावी तो नहीं है, ये ताकतें प्रदेश में कहीं अशांति फैलाने की कोशिशें तो नहीं कर रहे हैं, इसको देखें।

— हमारे कामों से कोई भी वर्ग अछुता न रहे, इस पर सरकार और संगठन बैठक विचार करें।

– आदिवासियों के बीच बने रहे उन्हें सरकार व संगठन से जोड़ें।

नियमित निगरानी के उच्च न्यायालय ने दिये निर्देश

नर्सिंग कॉलेज को मान्यता देने की प्रक्रिया से रोक हटी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उच्च न्यायालय ने नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता प्रक्रिया को मंजूरी दे दी है, जो अब तक रुकी हुई थी। इस निर्णय के साथ, 2024-25 सत्र से नर्सिंग कॉलेजों को मान्यता दी जा सकेगी। उच्च न्यायालय ने सभी नर्सिंग कॉलेजों की वार्षिक निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य विभाग विवेक कुमार पोरवाल ने बताया कि यह नियमित निगरानी प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाएगी और नर्सिंग छात्रों को गुणवत्ता शिक्षा प्रदान करेगी।

इस निर्णय से अब छात्र नर्सिंग पाठ्यक्रमों में दाखिला ले सकेंगे, जिससे नर्सिंग के इच्छुक छात्रों को बड़े पैमाने पर लाभ मिलेगा और स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली को सुदृढ़ करने का मार्ग प्रशस्त होगा। साथ ही प्रदेश के नर्सिंग कॉलेज (सरकारी और निजी दोनों) में प्रवेश के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं का आयोजन नर्सिंग काउंसिल द्वारा किया जायेगा। जिससे प्रवेश परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित होगी। वहीं उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि यह निर्णय राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि नियमित जांच से नर्सिंग छात्रों को उच्च मानकों की शिक्षा का प्रदाय सुनिश्चित होगा। शुक्ल ने कहा कि राज्य सरकार नर्सिंग छात्रों के हितों की रक्षा करने और उनके उज्ज्वल भविष्य को सुरक्षित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि मध्यप्रदेश को स्वास्थ्य मानकों के क्षेत्र में शीर्ष राज्य बनाया जाए। चिकित्सा सेवाओं की प्रणाली को मजबूत करके हम राज्य के स्वास्थ्य मानकों में सुधार करेंगे और इसे एक उत्कृष्ट उदाहरण बनायेंगे। उन्होंने कहा कि इस आदेश से न केवल छात्रों का भविष्य सुरक्षित होगा बल्कि इससे राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं में भी व्यापक सुधार होगा।

पारिवारिक विवादों को देखते हुए मप्र सरकार का फैसला

अब शहीद के माता-पिता व पत्नी में आधी-आधी बंटेगी राहत राशि

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहीद जवान के परिजनों को दी जाने वाली अनुग्रह राशि अब जवान के माता-पिता और पत्नी में आधी-आधी दी जाएगी। यह निर्णय पारिवारिक विवादों को देखते हुए लिया गया है। मध्य प्रदेश सरकार ने ऐलान किया है कि शहीद पुलिसकर्मी के परिजनों को दी जाने वाली एक करोड़ की सहायता राशि अब पत्नी के साथ माता-पिता को भी दी जाएगी। अब शहीद जवान के माता-पिता और पत्नी को 50-50 लाख रुपए सहायता राशि के रूप में मिलेंगे। दरअसल, हाल ही में शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह को मरणोपरांत कीर्ति चक्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। शहीद अंशुमान की मां ने सरकार से अनुग्रह राशि के नियमों में बदलाव की मांग की थी। मांग थी कि शहीद जवान को मिलने वाली अनुग्रह राशि पत्नी के साथ-साथ उनके माता-पिता को भी मिलना चाहिए। उनका आरोप था कि बहू सारा पैसा और कीर्ति चक्र भी

लेकर मायके चली गई। इसके बाद से नेक्स्ट ऑफ किन (एनओके) नियमों में संशोधन की मांग भी उठने लगी थी। अभी जवान के शहीद होने के बाद अविवाहित होने की स्थित में माता-पिता को अनुग्रह राशि दी जाती है, लेकिन जवान के शादीशुदा रहने पर राशि विधवा पत्नी को दी जाती है। भारत सरकार ने नेक्स्ट ऑफ किन (एनओके) नियमों में अभी कोई बदलाव नहीं किया है। जबकी मध्य प्रदेश सरकार ने ये फैसला मध्य प्रदेश पुलिस के संबंध में लिया है।

दस जिलों में पीपीपी मोड पर मेडिकल कॉलेज की कोशिशें नए सिरे से शुरू

इनमें से पांच जिलों में प्रयोग को नहीं मिला था रिस्पांस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अब दस जिलों में सार्वजनिक निजी भागीदारी यानि पीपीपी से मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने निवेशकों से ऑफर बुला लिए हैं। कटनी, मुरैना, पन्ना, बालाघाट, भिंड, धार, खरगोन, सीधी, टीकमगढ़ और बैतूल जैसे जिलों में कॉलेज खोलने की प्रक्रिया शुरू की गई है।

हालांकि जानकार बताते हैं कि इनमें से पांच जिलों के लिए इसी वर्ष पहले भी ऑफर मांगे गए थे, पर कोई निवेशक सामने नहीं आया था। अब इसमें पांच और जिले सम्मिलित कर नए सिरे से विज्ञापन जारी किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, सभी जगह 100 एमबीबीएस सीट की क्षमता वाले कॉलेज होंगे। ये कॉलेज बिल्ड, फाइनेंस, आपरेट, मेंटेन एवं मैनेज आधार पर खोले जाएंगे। यानी निवेशक को निर्धारित शर्तों के अधीन कालेज बनाने में राशि लगानी होगी। संचालन, रखरखाव और प्रबंधन की जिम्मेदारी भी

उसी की होगी। संबंधित जिले के जिला अस्पताल का मेडिकल कॉलेज संचालक उपयोग करेगा। निर्धारित शर्तों के अधीन अस्पताल भी उसे दिया जाएगा, जिसमें 25 प्रतिशत बिस्तर वह निजी रख सकेगा। बताया जाता है कि इन कॉलेजों के लिए पहली निविदा 17 सितंबर को खोली जाएगी। अभी इनमें से किसी जिले में सरकारी या निजी मेडिकल कॉलेज नहीं है। यह कॉलेज शुरू होते हैं तो प्रदेश में निजी और सरकारी मिलाकर 36 मेडिकल कॉलेज हो जाएंगे।

इधर.. बीएड बिना भी शिक्षकों को उच्च प्रभार का रास्ता साफ

स्कूल शिक्षा विभाग में उच्च पद प्रभार की काउंसलिंग में अमान्य की जा रही डिग्री को अब मान्य किया जाएगा। अभी तक जिन शिक्षकों के पास बीएड की डिग्री नहीं है, उन्हें अपात्र किया जा रहा था। इसे लेकर शिक्षकों में भारी आक्रोश था। अब डीपीआई ने आदेश जारी किए हैं। दरअसल, डीपीआई की ओर से प्राथमिक शिक्षक , उच्च श्रेणी शिक्षक और माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक को व्याख्याता पद के लिए काउंसलिंग जारी है। काउंसलिंग में सबसे बड़ी समस्या शिक्षकों की योग्यता को लेकर है। जिन शिक्षकों ने डीएड, बीटीआई या अन्य योग्यता ली, उसे पिछले साल उच्च पद प्रभार की काउंसलिंग में मान्य किया गया था, लेकिन इस बार काउंसलिंग में उसे अमान्य किया जा रहा था।

मेट्रो एंकर 23 को भोपाल आएंगे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय

भारतीय मजदूर संघ के 70वें वर्ष में प्रवेश पर होगा बड़ा राष्ट्रीय आयोजन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले 23 जुलाई को भोपाल आएंगे। उनके साथ पूर्व सह सरकार्यवाह वी भागय्या भी मौजूद रहेंगे। आरएसएस के दोनों वरिष्ठ पदाधिकारी अपने सम विचारी संगठन भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय आयोजन में हिस्सा लेंगे। यह आयोजन भारतीय मजदूर संघ के 75वें वर्ष में प्रवेश करने को लेकर रवींद्र भवन में आयोजित किया जा रहा है। इसकी तैयारियां जोरों पर है। आरएसएस व भारतीय मजदूर संघ के कई और पदाधिकारियों के इसमें शामिल होने की संभावना है।

उल्लेखनीय है कि भारतीय मजदूर संघ ने मप्र समेत देशभर में मजदूर, कर्मचारी समेत सामाजिक क्षेत्रों में काम किया है। यह क्रम अभी भी जारी है। भारतीय मजदूर संघ ने 69 वर्ष पूरे कर लिए हैं। अब 70वें वर्ष में प्रवेश करने जा रहा है। इसको लेकर राजधानी भोपाल में 23 जुलाई को बड़ा कार्यक्रम होगा। जिसमें भारतीय मजदूर संघ के विभिन्न क्षेत्रों में संघर्ष और सफलता पर बात होगी। साथ ही आगे की रणनीति तय होगी। इस आयोजन में मप्र समेत अलग-अलग राज्यों के पदाधिकारी हिस्सा लेंगे। इस आयोजन की अध्यक्षता भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिरण्मय पंड्या करेंगे। भारतीय मजदूर संघ की ओर से बताया कि 23 जुलाई को दोपहर एक बजे ठेंगड़ी भवन से रवींद्र भवन के लिए शोभायात्रा निकलेगी। दोपहर 3.30 बजे से मुख्य कार्यक्रम की शुरुआत होगी।

मप्र प्राकृतिक, पुरातात्विक, सांस्कृतिक व धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से समृद्ध

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पर्यटन और संस्कृति राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि मध्यप्रदेश प्राकृतिक, पुरातात्विक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से समृद्ध प्रदेश हैं। मध्यप्रदेश का पर्यटन की दृष्टि से गौरवशाली इतिहास देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करता है। राज्य मंत्री लोधी रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में प्रदेश में टूरिज्म क्षेत्र में सम्भावनाओं पर सेक्टोरियल सेशन को सम्बोधित कर रहे थे। राज्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश पर्यटन क्षेत्र में तेजी से आगे बड़ा है। उन्होंने बताया कि विगत वर्ष में 11 करोड़ से अधिक पर्यटक मध्यप्रदेश के विभिन्न पर्यटन क्षेत्रों में पहुंचे, जिसमें से अकेले महाकाल लोक उज्जैन का 5 करोड़ से अधिक पर्यटकों ने भ्रमण किया। उन्होंने बताया कि महाकाल लोक की तर्ज पर प्रदेश के अन्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों को लोक के रूप में विकसित किया जा रहा है। लोधी बताया प्रदेश में श्रीराम पथ गमन के निर्माण के लिए चित्रकूट सहित भगवान श्रीराम के वन गमन से संबंधित 23 स्थानों को चिन्हित कर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। लोधी ने कहा पर्यटन में अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा हैं। हाल ही में पीएमश्री हेली सेवा योजना के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न पर्यटन स्थल को जोड़ा गया है।

दोपहर मेट्रो
प्रवाह
रविवारीय

अब झरने भी गिने जाएंगे...

जल संकट से निपटने के लिए नैसर्गिक जल सरिताओं को सहेजना बेहद जरूरी

■ पंकज चतुर्वेदी

भारत सरकार के केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने प्राकृतिक और मानव निर्मित सभी तरह के जल स्त्रोतों की दूसरी गणना की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पिछले साल हुई पहली गणना की रिपोर्ट सार्वजनिक की गई है, जिसके आधार पर यह पता चला था कि देश में नदियों, नहरों के साथ ही कितने तालाब, पोखर, झील आदि हैं और उनकी स्थिति क्या है? इस बार की गणना की खासियत है कि इसमें झरनों को भी शामिल किया गया है। देश की सैकड़ों गैर हिमालयी नदियां, खासकर दक्षिण राज्यों की नदियों का तो उद्गम ही झरनों से है। नर्मदा, सोनड़जैसी विशाल नदियां मध्य प्रदेश में अमरकंटक के झरने से ही फूटती हैं। जब दो साल बाद इस गणना के नतीजे सामने आएंगे, तो देश के पास एक व्यापक परिदृश्य होगा कि नदियों की धार का भविष्य क्या हैड़ जल विद्युत परियोजनाओं की संभावना क्या हैड़ झरने का अस्तित्व पहाड़ से है, उसे ताकत मिलती है परिवेश के घने जंगलों से और संरक्षण मिलता है अविरल प्रवाह से।

2020 में, अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका 'वाटर पॉलिसी' ने भारतीय हिमालय क्षेत्र (आईएचआर) में स्थित 13 शहरों में 10 अध्ययनों की एक श्रृंखला आयोजित की थी। इस अध्ययन से खुलासा हुआ कि इन शहरों में से कई, जिनमें मसूरी, दार्जिलिंग और काठमांडू जैसे प्रसिद्ध पर्वतीय स्थल शामिल हैं, पानी की मांग-आपूर्ति के गहरे अंतर का सामना कर रहे हैं, जो कई जगह 70 फीसदी तक है और इसका मूल कारण इन इलाकों में जल सरिताओं-झरनों का तेजी से सूखना है। ठीक यही बात अगस्त 2018 में नीति आयोग की रिपोर्ट में कही गई थी। इसमें स्वीकार किया गया था कि आईएचआर में करीब 50 फीसदी झरने सूख रहे हैं। झरना एक ऐसी प्राकृतिक संरचना है, जहां से जल एक्वीफर्स (चट्टान की परत, जिसमें भूजल होता है) से पृथ्वी की सतह तक बहता है। पूरे भारत में लगभग पचास लाख झरने हैं, जिनमें से करीब तीस लाख अकेले आईएचआर में हैं। देश की बीस करोड़ से अधिक आबादी पानी के लिए झरनों पर निर्भर है। भारतीय हिमालय क्षेत्र के 12 राज्यों के 60,000 गांव हैं, जिनकी आबादी पांच करोड़ है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड और त्रिपुरा इसके दायरे में हैं। असम और पश्चिम बंगाल भी आंशिक रूप से इसके तहत आते हैं। यहां की करीब 60 प्रतिशत आबादी जल संबंधी जरूरतों के लिए धाराओं पर निर्भर है। उधर दक्षिणी भारत में पश्चिमी घाटों में, कभी बारहमासी रहने वाले झरने मौसमी होते जा रहे हैं और इसका सीधा असर कावेरी, गोदावरी जैसी नदियों पर पड़ रहा है। यहां झरनों के जलग्रहण क्षेत्र में बेपरवाही से लगाए जा रहे नलकूपों ने भी झरनों का रास्ता रोका है। उत्तराखंड के अल्मोड़ा क्षेत्र में झरनों की संख्या पिछले 150 वर्षों में 360 से घटकर 60 रह गई। उत्तराखंड में नब्बे प्रतिशत पेयजल आपूर्ति झरनों पर निर्भर है, जबकि मेघालय में राज्य के सभी गांव पीने और सिंचाई के लिए झरनों का उपयोग करते हैं। ये झरने जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र के महत्वपूर्ण घटक भी हैं। झरनों के लगातार लुप्त होने या उनमें जल की मात्रा कम होने का सारा दोष जलवायु परिवर्तन पर नहीं मढ़ा जा सकता। अंधाधुंध पेड़ कटाई और निर्माण के कारण पहाड़ों को हो रहे नुकसान ने झरनों के नैसर्गिक मार्गों में व्यवधान पैदा किया है। नीति आयोग ने वर्ष 2018 में झरना संरक्षण कार्यक्रम की कार्य योजना तैयार की और यह उसकी चार साल पुरानी एक रिपोर्ट पर आधारित थी, लेकिन बीते छह वर्षों में झरनों को बचाने के लिए कोई योजना बनी नहीं। उम्मीद है कि नए सर्वेक्षण की रिपोर्ट से झरनों को सहेजने की योजनाएं बनेंगी।हालांकि यह जान कर सुखद लगेगा कि सिक्किम ने इस संकट को सन 2009 में ही भांप लिया था। इससे पहले सिक्किम में प्रति परिवार पानी का खर्च 3200 रुपये महीना था। 2013-14 में झरनों के आसपास 120 हेक्टेयर पहाड़ी क्षेत्र में गड्ढे बनाकर बारिश के पानी को संरक्षित करने पर काम शुरू किया और इसके 100 फीसदी परिणाम आने शुरू हो गए। झरनों को लेकर सबसे अधिक बेपरवाही उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में है, जो बीते पांच वर्षों में भूस्खलन के कारण तेजी से बिखर भी रहे हैं। इन राज्यों में झरनों के आसपास भूमि क्षरण कम करने, हरियाली बढ़ाने और मिट्टी के नैसर्गिक गुणों को बनाए रखने की कोई नीति बनाई नहीं गई। यह किसी से छिपा नहीं है कि मौसम चक्र तेजी से बदल रहा है। कहीं बारिश कम हो रही है, तो कहीं अचानक जरूरत से ज्यादा, फिर धरती का तापमान तो बढ़ ही रहा है। जरूरत इस बात की है कि नैसर्गिक जल सरिताओं और झरनों के कुछ दायरे में निर्माण कार्य पर पूरी तरह रोक हो, ऐसे स्थानों पर कोई बड़ी परियोजनाएं न लाई जाएं, जहां का पर्यावरणीय संतुलन झरनों से हो।

निशाना

बिगड़ैल निकल ही जाती है एकाध गोली !

■ ऋषभ जैन

अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति पर ही गोली चल गयी। बात गोली की नहीं है। गोली तो बनी ही चलने के लिए है। उसकी तो अभिलाषा होगी ही चलने की। हो सकता है उसने–'चाह नहीं डिब्बे में रह जीवन अपना व्यर्थ फूंकूं,मुझे चला देना आतंकी, राष्ट्रपति को जाऊं छू।' जैसे उद्गार भी व्यक्त किये हों। बात उसके पूर्व राष्ट्रपति पर चल पड़ने की भी नहीं है। हथियार बेचारे निर्जीव क्या जाने किस दर को बचाना है, किस देश को डुबोना है। चलाने वाला जहां चलाता है चल पड़ते हैं बेबस।? कभी गाजा, कभी इस्राइल, कभी यूक्रेन, कभी रूस। न जाने और भी कहां-कहां। अमेरिकी नेता हथियारों की इस लाचारी से वाकिफ हैं। इसलिए तो वे भारत को भी हथियार बेच देते हैं और पाकिस्तान को भी।? उन्हें गोली के पूर्व महोदय की ओर चल पड़ने पर अचरज नहीं होना चाहिए। उन्हें तो इस पर संतोष होना चाहिए। चलो एक गोली का परफार्मेंस तो देश में ही हुआ। वरना सामान्यत˜ तो जितने हथियार बनते हैं सब एक्सपोर्ट हो जाते हैं। कुछ लोग अमेरिका की सुरक्षा एजेंसियों को लानत भेज रहे हैं। वे बेचारे भी क्या करें। खालिस्तानी आतंकवादी के पीछे लगे भारतीय एजेंट का पीछा करें कि अपनों को बचाएं। उनके लिए अभिव्यक्ति की आजादी बड़ी बात है। खालिस्तान वालों की अभिव्यक्ति होती रहे इसकी भी व्यवस्था करनी है बेचारों को। वहां आसानी से बंदूकें मिलती ही इसलिए हैं ताकि गोली की भाषा में अभिव्यक्ति करने वालों का काम भी बन सके।कुछ लोगों का कहना था कि महोदय ने पिछले कार्यकाल में जनता को खूब गोली दी थी, सो कोई गुस्सैल असली वाली चला गया। कोई कहता है इन लोगों ने खुद पर ही हमला करवा दिया होगा। अब वे बूंद-बूंद से देश की रक्षा वाला नारा बुलंद कर लेंगे। कोई कहता है इसमें दूसरी पार्टी वालों का हाथ है। हमने सपने में देखा कि गोली चलवाने वाले ने सारी योजना पंचायत का तीसरा सीजन देखकर बनाई। प्रधान जी पर हमला भी हुआ वे बच भी गये। दुश्मन पक्ष वाले विधायक जी कह रहे हैं कि हम चलवाते तो कान को छूकर थोड़े ही निकालते।

> *हथियारों का मूल कार्य दुनियाभर में शांति कायम रखना है। इस भागीरथी प्रयास में पूरी दुनिया में उनकी मिसाइलें चल ही रही हैं, यहां तो एक गोली ही थी। बड़ी-बड़ी जिम्मेदारियां निभाने में छोटी-छोटी दुर्घटनाएं घट जाती हैं। इतने हथियारों में एकाध गोली बिगड़ैल निकल भी जाती है कभी-कभी। ईश्वर का शुक्र है महोदय बच गये*

अभी कुछ थ्योरी और आने को है। एक में रूस का हाथ बताया जायेगा, तो दूसरी में चीन का। अमेरिका वालों को एक-दो गोली चल जाने की ज्यादा चिंता नहीं करना चाहिए। पंचायत चार में रहस्य खुल ही जाना है। वैसे भी हथियारों का मूल कार्य दुनियाभर में शांति कायम रखना है। इस भागीरथी प्रयास में पूरी दुनिया में उनकी मिसाइलें चल ही रही हैं, यहां तो एक गोली ही थी। बड़ी-बड़ी जिम्मेदारियां निभाने में छोटी-छोटी दुर्घटनाएं घट जाती हैं। इतने हथियारों में एकाध गोली बिगड़ैल निकल भी जाती है कभी-कभी। ईश्वर का शुक्र है महोदय बच गये। वे आगे भी जाको राखे साइयां पर भरोसा रखें। सारी दुनिया भी अब उसी भरोसे पर है।

–साभार

पश्मीना: एक जीवंत संस्कृति कहां होता है इसका उद्गम?

■ अजय बिजूर

आपने पश्मीना के बारे में सुना है? हो सकता है आपने सुना हो कि ये दुनिया का सबसे मुलायम धागा है। सत्रहवीं शताब्दी में पश्मीना से बने कश्मीरी शॉल पश्चिमी देशो में बहुत मशहूर हुए। आज भी पश्मीना दुनिया भर में कश्मीर और भारत की पहचान है।
दरअसल, इसी वजह से पश्मीना को दुनिया भर में 'कैशमेयर' के नाम से भी जाना जाता है। अब अगर मैं आप से पूछूं कि पश्मीना कहां बनता है तब आप क्या कहोगे? कश्मीर में? चीन से आता है? या कहीं और से? चलिए आज हम आप को ले चलते हैं उन ऊंची पहाड़ी वादियों में जहां पश्मीना का उगम होता है। उत्तरी तिब्बत एक बहुत बड़ा पहाड़ी मैदानी इलाका है जिसे चांगथांग के नाम से जाना जाता है। चांगथांग- चांग यानि उत्तर और थांग यानि मैदान इन दो तिब्बती शब्दों का जोड़ है। चांगथांग लगभग 25 लाख वर्ग कि.मी. इलाके में फैला है जिसमें से लगभाग 17,000 वर्ग कि.मी. हिस्सा लद्दाख के पूर्वी भाग में पड़ता है। चांगथांग में रहनेवाले लोगों को चांगपा के नाम से जाना जाता है और इनके जीवन बसर करने का तरीका बिलकुल निराला है।
चांगथांग का अधिक्तम् हिस्सा 4,000 मीटर की ऊंचाई से ऊपर है। क्या आप सोच सकते हैं कि 4,000 मीटर पर जीने में किस तरह की दिक्कतें आती होगी? अव्वल तो यहां बहुत 'यादा ठंड होती है, खास कर जादे में जब तपमान -×5ष्ट तक गिर जाता है। चांगपा समुदाय जिन स्थानों में बस्ते हैं वो अति दुर्गम है। तो यहाँ कोई कैसे और क्यों जीता है?

चांगपा सदियो से पशुपालन करते आ रहे हैं। क्योंकि यहां के हालात कृषि के योग्य नहीं हैं, पशुपालन उनके पास एक मात्रा विकल्प है। और क्योंकि इन ऊंचाइयों में घास की उपज सीमित मात्रा में होती है चांगपा समुदाय घुमंतू जीवन बसर करते हैं। लद्दाख में चांगपा समुदाय अलग-अलग घाटियों में रहते हैं। हर बड़ी घाटी में रहने वाले समुदाय को एक गांव की तरह देखा जा सकता है। लद्दाख चांगथांग में कुल 22 समुदाय हैं और हर समुदाय में 20 से ×00 परिवार हैं। हर परिवार में 5-6 लोग होते हैं और सारा परिवार रेबो में रहता हैं। रेबो एक खास प्रकार का तंबू है जिसे याक के बाल से बनाया जाता था और ये सर्दी-गर्मी दोनों में काम देता है। चांगपा मानते हैं कि सर्दियों में रेबो गरम रहता है और गर्मियों में ठंडा। जब एक घाटी से दूसरी घाटी जाने का समय आता है तब पूरा परिवार अपना रेबो समेट कर अगले पड़ाव के लिए चल देते हैं। हर पड़ाव पर गांव 2 से × महीने बिताता है। इस तरह पूरा गांव साल भर पूर्वनिर्धारित घाटियों में समय बिताता है।

घर के हर सदस्य को काम में हाथ जुटाना पड़ता है। पशुओं को सुबह पहाड़ों में ले जाना और शाम होते होते लौटना दिन का सब से बड़ा काम है। सर्दीयों के लिए गोबर चुगने का काम भी साल भर करना पड़ता है। ये सब और इसके अलावा सभी घरेलू काम परिवार के महिलाएं और पुरुष मिलकर करते हैं। एक घाटी से दूसरी घाटी जाने के निर्णय गांव के मुखिया - जिसे गोबा कहते हैं - द्वार किया जाता है। हर गांव अपना गोबा एक से तीन साल की अवधि के लिए नियुक्त कर्ता है। गोबा की जिम्मेदारी हर परिवार को निभानी पड़ती है। गोबा का काम मुश्किल है और इसे निशुल्क सेवा के तौर पर किया जाता है। याद रहे कि गोबा, पंचायत प्रधान से अलग है और ये रिवाज चांगपा समाज में कई सदियों से पाला जा रहा है। गांव के बड़े फैसलो में गोबा गांव के लोगों की राय लेते हैं।

> *उत्तरी तिब्बत एक बहुत बड़ा पहाड़ी मैदानी इलाका है जिसे चांगथांग के नाम से जाना जाता है। चांगथांग- चांग यानि उत्तर और थांग यानि मैदान इन दो तिब्बती शब्दों का जोड़ है। चांगथांग लगभग 25 लाख वर्ग कि.मी. इलाके में फैला है जिसमें से लगभाग 17,000 वर्ग कि.मी. हिस्सा लद्दाख के पूर्वी भाग में पड़ता है...*

चांगपा समुदायों के लिए उनके जानवर सबसे महत्वपूर्ण हैं। इनमें याक, घोड़े, गधे और भेड़-बकरियां शामिल हैं। और रही बात पश्मीन की, तो वो इन्हीं बकरियों के बाल से बनता है। चांगथांग में पाली जाने वाली बकरियां सर्दियां में खास किसम के बाल उगते हैं जिससे वो अत्यधिक ठंड बर्दाश्त कर पाती हैं। हर साल गर्मियों में बकरियों के बाल झड़ने लगते हैं जिन्हें चांगपा कंघी करके निकाल लेते हैं। हर साल जून-जुलाई के महीनों में चंपगा पश्मीना के बाल निकालने के काम में व्यस्त हो जाते हैं। इस चारागाही समुदाय के लिए ये साल का सब से महत्वपूर्ण फसल है। इन बालों को व्यापारी ×,000 रुपये प्रति किलो के दाम से खरीद लेते हैं। इन्ही बालों को साफ़ करके पश्मीना धागे बनने तक इनकी कीमत 16,000 रुपये प्रति किलो तक पहुंच जाती है। पश्मीना धागों से शाल बुनाई करने का हुनर कश्मीर घाटी में सदियों से रहा है। चांगथांग और कश्मीर का ये नाता कम से कम 400 साल पुराना है। अधिकार लोग पश्मीना को कश्मीर के साथ जोड़ते हैं पर चांगथांग के बारे में कम लोगों को पता है।

भारत के कई जनजाति समुदायों की तरह चांगपा ज़मीन से जुड़े हैं और पूरी तरह प्रकृति पर निर्भर हैं। चांगपा समाज का सारा संगठन उन्हें मुश्किल हालात से संघर्ष करने में मददगार रहा है। पश्मीना इन्हीं समुदायों के मंथन से बनता है। पश्मीना सिर्फ एक धागा नहीं बल्कि हजारों साल से चली आ रही एक जीवंत संस्कृति है जिसे चांगथांग के लोग आज भी जी रहे हैं।

– साभार

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने किया पौधरोपण एवं सह जागरूकता शिविर का आयोजन

सीहोर, दोपहर मेट्रो।

प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष सतीश चंद शर्मा के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा ग्राम लसूड़िया के ग्राम पंचायत परिसर में वृहद वृक्षारोपण अभियान के तहत पौधारोपण सह विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री एम के वर्मा द्वारा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा चलाये जा रहे प्रदेशव्यापी वृहद वृक्षारोपण अभियान की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत में विडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा एवं ग्राम में संचालित विद्यालय तथा उप स्वास्थ्य केन्द्र के सुचारू संचालन के सम्बंध में जानकारी ली गई। इसके साथ ही गांव के आमजन को पॉक्सो अधिनियम, नालसा एवं सालसा की योजनाओं, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। ग्रामीण जनों की समस्याओं को सुनकर यथोचित परामर्श दिया गया तथा ग्राम पंचायत सरपंच एवं सचिव को समस्याओ के यथाशीघ्र निराकरण निर्देश भी दिये गये। कार्यक्रम में जिला विधिक सहायता अधिकारी जीशान खान सहित अन्य जनप्रतिनिधि, पैरालीगल वालेंटियर एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदयप्रताप सिंह बनखेडी में गुरु पर्व महोत्सव में हुए शामिल

गुरु पर्व महोत्सव में मंत्री राव ने आचार्यों को किया सम्मानित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह शनिवार को गुरू पूर्णिमा के अवसर पर बनखेडी में संत रावतपुरा इंटरनेशनल स्कूल एवं गोविंद नगर में भाऊसाहब भुस्कुटे स्मृति लोक न्यास द्वारा संचालित सैनिक स्कूल में फ्रगुरु पर्व महोत्सवफ्र में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने समस्त गुरुओं की वंदना की आचार्यगणों को शॉल एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया तथा स्कूल परिसर पर आम के पौधे का रोपण किया। मंत्री श्री राव ने इस अवसर पर उपस्थित छात्र छात्राओं शिक्षकों अभिभावको एवं गणमान्य नागरिकों के साथ गुरू महत्ता पर अपनें विचार साझा किये। मंत्री श्री राव ने कहा कि एक इंजिनियर यदि गलत रूप से भवन का निर्माण करेगा तो वह केवल भवन को नुकसान पहुंचाएगा लेकिन यदि गुरू अपने शिष्यों को एवं शिक्षक अपने छात्र छात्राओं को ज्ञान देने में कोई कमी करेगा तो इससे न केवल छात्र छात्राओं का नुकसान होगा अपितु हमारी भावी पीढ़ी एवं समाज का नुकसान करेगा।

मंत्री श्री राव ने कहा कि हमारी संस्कृति माता पिता एवं गुरुओं का सम्मान करना सिखाती है। गुरू भी हमेशा अपने शिष्यों को अपना ज्ञान एवं अनुभव देने में पीछे नहीं रहते है। उन्होंने उपस्थित छात्र छात्राओं से कहा कि वे मन लगाकर विद्या अध्ययन करें और अपने गुरुओं का, माता-पिता का एवं अपने जिले का नाम रोशन करे। इस अवसर पर उन्?होने न्यास के संचालक अनिल अग्रवाल को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। गुरू पूर्णिमा के कार्यक्रम में पिपरिया विधायक ठाकुरदास नागवंशी एवं सतपाल पलिया उपस्थित थे।

इसके पश्चात मंत्री श्री राव ने नरसिंहपुर के चीचली विकासखंड के शासकीय प्राथमिक शाला पनागर एवं पीएमश्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (बीटीआई) गाडरवारा में पहुंचे और उन्होंने उक?त दोनों स्कूलों का निरीक्षण किया व गुरु पर्व कार्यक्रम सहित शैक्षणिक व्यवथाओं का अवलोकन कर शिक्षकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए एवं शिक्षक/शिक्षिकाओं तथा छात्र छात्राओं को गुरु पूर्णिमा पर्व की शुभकामनाएं दी।

नवनिर्वाचित सांसद दर्शन चौधरी का नयागांव में हुआ स्वागत

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

होशंगाबाद नरसिंहपुर लोकसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित सांसद दर्शन सिंह चौधरी शनिवार को समीपस्थ ग्राम नयागांव पहुंचे। लोकसभा चुनावों में जीत के बाद श्री चौधरी पहली बार यहां पहुंचे थे जिस पर ग्रामीणों ने गर्मजोशी से उनका भव्य स्वागत किया।

सांसद चौधरी के आगमन पर गांववासियों ने ट्रेक्टर रैली निकाली जिसमे खुली जीप में सवार होकर दर्शन चौधरी ने गांव वासियों का अभिवादन स्वीकार किया। चौधरी के स्वागत में गांव में जोरदार आतिशबाजी, ढोल बाजे, पुष्पहार और गांव के घर घर से पुष्प वर्षा की गई। यहां गांव के निवासी भगवान दास यादव और अनिल चोरे के निवास पर स्वागत एवं आभार कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने सांसद दर्शन सिंह चौधरी का पुष्पहार पहनाकर सम्मान किया साथ ही गांव की समस्याओं और जरूरतों के संबंध में सांसद को अवगत कराया। सांसद चौधरी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आपने मुझे वोट दिया लेकिन सांसद सिर्फ में नही आप सब है। संसदीय कार्यकाल में जनहित का हर काम मेरी प्राथमिकता रहेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हम देश के हर वर्ग का विकास करेंगे। इस अवसर पर प्रमोद पगारे ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम में किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष योगेंद्र सिंह राजपूत, केसला जनपद उपाध्यक्ष अर्चना मेहतो, ज्योत्सना पटेल जिलापंचायत सदस्य, उषा धुर्वे सरपंच, छोटेलाल चौधरी, हरिदास यादव, भगवानदास यादव, सुरेश यादव, राजा तिवारी, शैलेंद्र सोनू दीक्षित भी मौजूद रहे।

जिले की आर्ची मालवीय करेंगी जिला स्तरीय प्रेरणा उत्सव में प्रतिनिधित्व

नर्मदापुरम । शासकीय सी एम राइज विद्यालय सुखतवा ब्लॉक केसला की 12वी की छात्रा कु आर्ची मालवीय पिता प्रदीप मालवीय का चयन बड़नगर गुजरात में होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम के लिए हुआ हैं। जहां समस्त गतिविधियां जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के नवाचारों से रूबरू कराने एवं उच्चकोटी E&periential learning हेतु 7 दिन का एक विशिष्ट कैंप 10 अगस्त से बड़नगर गुजरात में आयोजित किया जा रहा है। आयोजन में आर्ची मालवीय जिले का प्रतिनिधित्व करेगी। प्राचार्य प्रदीप सिंह राजपूत द्वारा बताया गया कि विभागीय अधिकारियों के मार्गदर्शन में विशेषकर संभागीय उपायुक्त जे पी यादव, प्रभारी सहायक आयुक्त संजय द्विवेदी के मार्गदर्शन में विद्यालय में विभिन्न गतिविधियों का संचालन होता है। इसी तारतम्य में हमारे लिए हर्ष का विषय है कि जिला स्तरीय प्रेरणा उत्सव में छात्रा कु आर्ची मालवीय का चयन हुआ है।

श्रम विभाग को बाल एवं किशोर श्रमिकों को चिन्हांकन, विमुक्ति एवं पुनर्वास कार्य में मिली सफलता

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

सहायक श्रमायुक्त नर्मदापुरम ने बताया है कि श्रम विभाग द्वारा गत 01 जून से 30 जून तक बाल एवं किशोर श्रमिकों के चिन्हांकन, विमुक्ति एवं पुर्नवास किए जाने का कार्य श्रम विभाग, पुलिस विभाग, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बाल कल्याण समिति, अशासकीय सामाजिक संस्थाओं एवं अन्य के सहयोग से किया गया है जिसमें उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है।

सहायक श्रमायुक्त नर्मदापुरम ने बताया है कि बाल श्रम की रोकथाम हेतु जागरूकता अभियान अंतर्गत नगर पालिका पिपरिया में 04 संस्थानों में 06 किशोर श्रमिक कार्यरत पाये गये, जिसमें किशोर श्रमिकों को अवशेष भुगतान की कार्यवाही की गई एवं नियोजकों को उल्लंघन स्वरूप सूचना-पत्र प्रेषित किया गया है। नगर पालिका क्षेत्र इटारसी में जागरूकता अभियान किया गया है जिसमें 01 किशोर श्रमिक कार्यरत पाया गया। नगर पालिका क्षेत्र नर्मदापुरम में 01 बाल श्रमिक गैरिज लाईन में कार्यरत पाया गया, जिसे बाल कल्याण समिति नर्मदापुरम के समक्ष प्रस्तुत किया गया। बाल कल्याण समिति द्वारा बाल श्रमिक को, उसके माता-पिता को सौंप दिया गया। पचमढ़ी शहर में बाल श्रम अधिनियम अंतर्गत छावनी परिषद एवं महिला बाल विकास के सहयोग से जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। अंतर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस 12 जून 2024 के उपलक्ष्य में कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से सहायक विधिक सेवा अधिकारी, बाल कल्याण समिति सदस्य, बचपन बचाओ आंदोलन समन्वयक, शिक्षा विभाग, महिला बाल विकास विभाग उपस्थित हुऐ। अधिनियम अंतर्गत एसओपी पर चर्चा की गई, जिले में बाल श्रम उन्मूलन हेतु सुझाव लिया गया। इसी तरह से 12 जून 2024 से 19 जून 2024 तक सिवनीमालवा, माखननगर एवं सोहागपुर नगर में भी भ्रमण किया गया। अभियान अंतर्गत बाल श्रम उन्मूलन हेतु माह जुलाई 2024 में शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय के सहयोग से एस.एन.जी. चौराहा पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया है।

संभागायुक्त एवं संभागीय अधिकारियों ने आयुक्त कार्यालय परिसर में किया पौधारोपण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने हेतु सभी व्यक्तियों को अपने जीवन काल में एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए एवं उसकी देखभाल करनी चाहिए। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत नर्मदापुरम जिले में स्थान स्थान पर अपार उत्साह से आम जनता एवं अधिकारियों द्वारा पौधारोपण किया जा रहा है। पौधारोपण करने के पश्चात सभी लोग पौधों को संरक्षण देने एवं देखभाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहे हैं। आज शनिवार को नर्मदापुरम संभागायुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी के नेतृत्व में सभी संभागीय अधिकारियों ने आयुक्त कार्यालय परिसर में अपार उत्साह से सामूहिक रूप से पौधारोपण किया। स्वयं संभागायुक्त श्री तिवारी ने बरगद के पौधे का रोपण किया और पर्यावरण के संरक्षण हेतु वृक्षों की हमारे जीवन में क्या उपयोगिता है उसकी जानकारी दी और कहा की सभी अपने इष्ट मित्रों अपने परिजनों एवं अपने पड़ोसियों को समझाइश दे कि वह अपने घरों में, कॉलोनी में, बगीचों में एवं खाली जगह पर अधिक से अधिक संख्या में पौधारोपण करें। श्री तिवारी ने पौधारोपण करने के पश्चात पौधारोपण के फोटो वायुदूत एप पर अपलोड किये।

इस अवसर पर अपर आयुक्त आर पी सिंह जादौन ने अमरूद का पौधा लगाया, संयुक्त उपायुक्त विकास श्री जी सी दोहर ने आम के, संयुक्त संचालक जनसंपर्क रश्मि देशमुख ने इमली के, पौधे का रोपण किया। इस अवसर पर सहायक संचालक कृषि एस आर इवने, संयुक्त संचालक स्कूल शिक्षा श्रीमती भावना दुबे, जनजातिय कार्य विभाग के उपायुक्त जेपी यादव, आयुष विभाग की डॉक्टर विमला गढ़वाल, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन विभाग के प्रभारी संयुक्त संचालक डॉक्टर संजय अग्रवाल, श्रम विभाग की इंस्पेक्टर सरिता साहू, आदि ने आम, इमली, बेलपत्र, आंवला, कटहल, जामुन, सीताफल, नीम, करंजी, सहजन, जामफल आदि के पौधों का रोपण किया।

मेट्रो एंकर | नए आपराधिक कानून के संबंध में प्रशासनिक अधिकारियों का मंथन

प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारी नए आपराधिक कानून का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें: संभागायुक्त

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में 1 जुलाई 2024 से नए आपराधिक कानून लागू हो गए हैं। भारतीय दंड संहिता के स्थान पर भारतीय न्याय संहिता, दंड संहिता प्रक्रिया के स्थान पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और इंडियन एविडेंस एक्ट के स्थान पर अब भारतीय साक्ष्य अधिनियम प्रभाव में आ गए हैं। पुलिस एवं प्रशासन के समस्त अधिकारी इनका अच्छी तरह अध्ययन कर ले जिससे इनका जनहित में प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। सभी कलेक्टर अपने-अपने जिलों में इस संबंध में प्रशिक्षण आयोजित करें।

संभाग आयुक्त डॉ. पवन कुमार शर्मा ने आज कमिश्नर कार्यालय के सभाकक्ष में भोपाल संभाग के प्रशासन के अधिकारियों के नए कानून के संबंध में एक दिवसीय उन्मुखीकरण प्रशिक्षण को संबोधित किया। मास्टर ट्रेनर विधि अधिकारी पुलिस मुख्यालय श्री विजय बंसल, एडीपीओ मध्य प्रदेश पुलिस अकादमी सुश्री सुचित्रा वर्मा तथा विधि अधिकारी पुलिस आयुक्त कार्यालय डॉक्टर मनीषा पटेल ने प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के दौरान एसीपी श्री अवधेश गोस्वामी, आईजी श्री अभय सिंह, भोपाल संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, एडीएम, एसडीएम तथा अन्य संबंधित

अधिकारी उपस्थित से। कुछ अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भी प्रशिक्षण में सम्मिलित हुए। प्रशिक्षण में बताया गया कि नए कानून नागरिक केंद्रित कानून है तथा इसमें मौखिक अथवा इलेक्ट्रॉनिक संचार के माध्यम से एफ आई आर दर्ज कराई जा सकती है। जीरो एफआईआर का भी प्रावधान है, अर्थात किसी भी थाने में एफआईआर दर्ज कराई जा सकती है। वहां से उसे संबंधित थाने को भेज दिया जाएगा। महिला पुलिस ही महिला पीड़िता की रिपोर्ट लिखेगी। पीड़ित और खबर देने वाले को एफआईआर की फ्री कॉपी दी जाएगी। नवीन कानून में प्रौद्योगिकी का पूरा समावेश किया गया है। ई बयान, ई अटेंडेंस, ई रिकॉर्ड और ई एफआईआर का प्रावधान है। नए कानून पीड़ित केंद्रित दृष्टिकोण से बनाए गए हैं। अब छीना झपटी के मामलों को भी संज्ञेय और गैर जमानती अपराध माना गया है। राजद्रोह को देशद्रोह में परिवर्तित किया गया है। मॉब लिंचिंग में अधिकतम सजा मृत्यु दंड रखी गई है। नए कानून में सत्य और शीघ्र न्याय को विशेष महत्व दिया गया है। अब सुनवाई शुरू होने के बाद 60 दिन में आरोप तय किए जाएंगे और उसके 90 दिन बाद अभियोजन की कार्रवाई शुरू करनी होगी। पुलिस की कार्रवाई में जवाबदेगी और पारदर्शिता को महत्व दिया गया है। तलाशी और जब्ती के दौरान वीडियो ग्राफी को अनिवार्य कर दिया गया है।

नए कानून के संबंध में महत्वपूर्ण तथ्य

भारतीय संसद द्वारा माह दिसंबर 2023 में तीनों प्रमुख आपराधिक कानून के स्थान पर नये कानून निर्मिति करने हेतु विधेयक पारित किए गए। उक्त विधेयकों को राष्ट्रपति की अनुमति पश्चात यह कानून 1 जुलाई 2024 से लागू चुके है। भारतीय न्याय संहिता 2023- यह अपराध विधि का प्रमुख कानून है, जो कि भारतीय दंड संहिता 1860 का स्थान लेगी, इसके अंतर्गत पहले की 511 धाराओं के स्थान पर 358 धाराए होगीं । इसमें 21 नए अपराध जोडे गए है और 41 अपराधों में सजा की अवधि में परिवर्तन किया गया है।

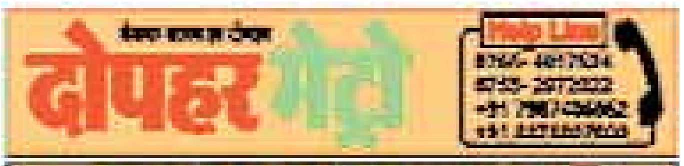

विधायक शर्मा के नेतृत्व में वन विभाग की भूमि पर 2100 पौधों का रोपण

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

प्रकृति का संरक्षण एवं संबर्धन करने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर देश भर में आयोजित हो रहे वृक्षारोपण की श्रंखला में शनिवार को सिरोंज तहसील के गाँव छापू में एक साथ 2100 पौधों का रोपण किया गया। विधायक उमाकांत शर्मा के नेतृत्व में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी चितावर मंडल द्वारा ग्राम छापू में रोपे गए 2100 वृक्षों का रोपण करने वन विभाग की भूमि पर भाजपा के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ काफी संख्या में ग्रामीण महिला और पुरुष भी बने। एक साथ रोपे गए पौधे के साथ प्रत्येक व्यक्ति ने भाजपा संगठन का झंडा भी थाम रखा था जिससे सम्पूर्ण परिसर भगवामय नज़र आ रहा था। इस अवसर पर विधायक उमाकांत शर्मा ने यहाँ आयोजित मंचीय कार्यक्रम के दौरान आज की वर्तमान परिस्थितियों में वृक्षों के महत्व और मानव जीवन मे उनकी उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर उन्होनें उपस्थित जनसमुदाय को रोपे गए वृक्षों का संरक्षण का संकल्प भी दिलाया। इस अवसर पर चितावर मंडल अध्यक्ष चरण सिंह राजपूत, देवपुर मंडल अध्यक्ष झार सिंह दाँगी,पारस तारण, हरीबाबू भार्गव,विधानसभा संयोजक कैलाश शर्मा वरिष्ठ भाजपा नेता संतोष चौरे, किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष जितेंद्र बघेल,हमीर सिंह यादव सहित भाजपा संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन मौजूद रहें।

निजी स्कूल मनमानी मवेशियों की तरह बच्चों को भरकर ले जाते वाहनों में

जान जोखिम में डालकर होता है स्कूल का सफर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगरी व ग्रामीण क्षेत्र में बड़ी तादाद में सीबीएसई स्कूल खुल गए हैं जो छोटे-छोटे गांव से बच्चों को इकट्ठा कर मवेशियों की तरह वाहनों में भरकर लाते हैं और दुर्घटना होने का डर बना हुआ है वही सुरक्षित नहीं नौनिहाल, सड़कों पर नियम विरुद्ध दौड़ रहे स्कूली वाहन उनके बच्चे सुरक्षित इसलिए भी अनदेखी ऑटो व अन्य स्कूली वाहनों में बच्चों की इस भीड़ के बीच प्रशासनिक अधिकारियोंव नेताओं के बचे शामिल नहीं रहते इसलिए भी इस परिवहन सेवा को कभी गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। स्कूल के समय में अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों व अन्य प्रभावशाली लोगों के बधों को लेने उनके निजी वाहन व वाहन चालक पहुंच जाते हैं। इसलिए वे अन्य सामान्य वर्ग के वच्चों की पीड़ा को नहीं समझ पाते अगर स्कूल छूटते समय कुछ स्कूलों के समीप वाहनों की स्थिति देखें तो स्कूली बच्चों का परिवहन करने वाले ऑटो में समता से अधिक बच्चे वाहन में बैठालते हुए देखा जा सकता है। कई वाहन में पीछे बैठकर पैर लटकाते बधे, तो कहीं चालक के साथ सीट पर बच्चे बैठे हुए देखे जा सकते हैं। ऐसी स्विति में जब शहर की सड़कें भी गहों से भरी हैं और हर सड़क पर बार-बार जाम लगने की नौबत बनती हो। ऐसे में इन वाहनों में बच्चों स्थिति को देखा जा सकता है। सड़कों पर इन गड्डों के कारण भी वाहनों के असंतुलित होने व दुर्घटना का डर बना हुआ है वही नगर ग्रामीण भर में बच्चों का स्कूली परिवहन सुरक्षित तरीके से नहीं हो रहा है। ऑटो एवं स्कूली बसों में

क्षमतासे अधिक बच्चों का परिवहन किया जा रहा है। कई वाहनों की स्थिति भी ठीक नहीं है। कहीं वाहनों पर नंबर नहीं तो कहीं इन वाहनों में बच्चों के सुरक्षित परिवहन संबंधी नियमों का पालन भी नहीं हो रहा है। अग्निशमन यंत्र, फर्स्ट एड बाक्स व बच्चों का कोई अंग वाहन से बाहर न निकले ऐसे इंतजाम नहीं है।

इनका कहना है

लगातार वाहन जांच कार्रवाई जारी है स्कूल वालों को कई बार हमने हिदायत दिए अब लेकिन यदि सुधार नहीं करते तो कार्रवाई की जाएगी

सूबेदार रितेश बघेला
यातायात पुलिस

कुरवाई विधायक ने ली समीक्षा बैठक, अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

अधिकारी सुन लें, मैं जनता का सेवक हूं, जनता ही मेरी भगवान: विधायक सप्रे

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शनिवार को कुरवाई विधायक हरिसिंह सप्रे ने पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने सर्वप्रथम जनपद के एई एमपी मैहर को फटकार लगाते हुए कहा कि आप मेरे क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ताओं से सही से बात नहीं करते हैं, उन्होंने व्यवहार सुधारने की नसीहत अधिकारी को दी। ज्ञात हो कि विगत दिनों पूर्व सरपंच के साथ जनपद पंचायत एक अधिकारी के साथ बहस की एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुई थी। जिसके बाद विधायक ने शनिवार को बैठक के दौरान अधिकारियों को व्यवहार सुधारने की नसीहत दी है। वही बैठक में उन्होंने कहा कि क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों की बिंदुवार रिपोर्ट मुझे उपलब्ध कराएं। इसके बाद राजस्व संबंधी अधिकारियों से विभागीय चर्चा कर आवश्यक जानकारी ली।

इस दौरान बैठक में बिजली कंपनी के अधिकारी नहीं पहुंचे, जैसे ही बिजली कंपनी का नंबर आया उन्होंने एसडीएम की तरफ देखा और एसडीएम से कहा कि बिजली कंपनी के अधिकारी कहां है। जिसके बाद एसडीएम ने तत्काल बिजली कंपनी के अधिकारियों को फोन करके बुलाया। बिजली कंपनी के अधिकारी एई राजीव रंजन जैसे ही रेस्ट हाउस पहुंचे तो विधायक उन पर बरस पड़े, उन्होंने कहा कि सूचना होने के बाद भी क्यों नहीं आए थे, तो उन्होंने कहा कि फील्ड पर थे जिसके बाद उन्होंने कहा कि लिख लो क्षेत्र का कोई भी किसान परेशान ना हो बिजली कंपनी की सबसे अधिक शिकायत मिल रही हैं। क्षेत्र में किसानों को मिलने वाली 10 घंटे की बिजली तीन चार घंटे मिल रही है जिसको लेकर को किसान आए दिन तहसील कार्यालय आ रहे हैं तो कई किसान मेरे कार्यालय पहुंच रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द समस्या का समाधान हो किसानों को मिलने वाली 10 घंटे बिजली पर्याप्त मिले इसकी व्यवस्था सुनिश्चित करें। यदि आगे से मुझे ऐसी शिकायत मिलती है। तो इसके जिम्मेदार बिजली कंपनी के अधिकारी ही होंगे। वहीं उन्होंने कहा कि बिजली कंपनी के कुछ अधिकारी जनप्रतिनिधियों के फोन नहीं उठाते हैं। जिससे भी किसानों में असंतोष व्याप्त होता है। वहीं उन्होंने एई राजीव रंजन से कहा की डायरी में नोट कर लें यदि पंप लाइन या ग्रामीण क्षेत्र की किसी कारणवश मेंटेनेंस के दौरान बिजली बंद रखते हो तो इसकी सूचना प्रेस नोट जारी कर किसानों को देना चाहिए। पात्र हितग्राही सरकार की किसी भी योजना से वंचित न रह जाए इसके लिए घर-घर जाकर योजना का लाभ पहुंचाने में उनका सहयोग करें। इस अवसर पर एसडीएम हर्षल चौधरी, नायब तहसीलदार, जनपद के अधिकारी, बिजली कंपनी के अधिकारीयों सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी

समीक्षा बैठक के दौरान विधायक ने अधिकारियों से कहा कि मेरे क्षेत्र के 110 गांव आते हैं, 39 पंचायत हैं, किसी भी गांव में विकास को लेकर कोई कसक ना रह जाए। इसकी जिम्मेदारी अधिकारियों की है रोड मैप तैयार कर मुझे बताएं। जो काम आप लोगों के हैं आप जल्द से जल्द निपटाएं। यदि कुछ काम सरकार लेवल के हैं तो मैं कर कर दूंगा आप मुझे अवगत कराएं। इसके लिए यदि आपको गांव में जाना पड़ रहा है तो जाएं और लोगों की समस्याएं सुनें, जल्द ही मैं स्वयं गांवों में पहुंचकर चौपाल लगाने वाला हूं, यदि उस समय गांव में किसी अधिकारी की शिकायत मिली तो उसका जिम्मेदार अधिकारी स्वयं होगा। यह सुनिश्चित कर लें, क्षेत्र की जनता मेरे लिए भगवान है, मैं उसके लिए निरंतर कार्य कर रहा हूं, और ऐसे ही कार्यकर्ता रहूंगा।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत कार्यकर्ताओं के साथ किया पौध रोपण

समीक्षा बैठक के उपरांत विधायक हरिसिंह सप्रे ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया। वृक्षारोपण के दौरान उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवाहन पर एक पेड़ मां के नाम अभियान प्रारंभ किया गया है जिसके तहत हर दिन लाखों की तादाद में पौधे लगाए जा रहे हैं। यह अभियान बहुत ही महत्वपूर्ण है। क्योंकि पौधे हमारे लिए जीवन संरक्षित करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के दौरान सब ने देखा था कि ऑक्सीजन के लिए लोग कैसे भटक रहे थे। इसीलिए यह अभियान प्रत्येक व्यक्ति के लिए महत्वपूर्ण है इसीलिए इस अभियान को एक पेड़ मां का नाम अभियान दिया गया है। क्योंकि इस पेड़ को सुरक्षित रखने के जिम्मेदारी भी पेड़ लगाने वाले व्यक्ति की ही होगी। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने अलग-अलग अपनी पसंद का पौधा लगाकर उसे संरक्षित करने का संकल्प लिया। इस अवसर वरिष्ठ भाजपा नेता लक्ष्मण सिंह रघुवंशी, जनपद उपाध्यक्ष राकेश शर्मा, प्रमोद रघुवंशी, विकाश सिंह, प्रीतम सिंह, मोहित रघुवंशी, देवेंद्र विश्वकर्मा, सुरजन सिंह यादव, सरपंच अजय रघुवंशी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लंबित आवेदनों के निराकरण हेतु विभागों के अधिकारियों को विशेष पहल के निर्देश

विदिशा, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर के द्वारा सीएम हेल्पलाइन तहत दर्ज लंबित आवेदनों के निराकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। अवकाश दिवस पर आज शनिवार को अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने स्वंय लंबित आवेदनो की विभागवार समीक्षा की है।

अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने आज ततसंबंध में निर्देशित किया है कि अनुविभाग स्तरीय बैठकों में विभागों के लंबित आवेदनों की अधिकतम जानकारियां प्राप्त करें और उनके द्वारा निराकरण किया जा सके इसके लिए स्थानीय स्तर पर विशेष पहल करें।

अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर ने बताया कि जो विभाग बी, सी तथा डी ग्रेड सूची में शामिल हैं उन विभागों के अधिकारियों को विशेष पहल करनी होगी ताकि जिला प्रदेश स्तरीय रैंकिंग सूची में अव्वल हो सके।

अपर कलेक्टर श्री डामोर ने कहा कि जून माह की शत-प्रतिशत शिकायतों का निराकरण संतुष्टि से कराया जाए। इस हेतु विभाग के जिलाधिकारी निराकरण हेतु विशेष पहल करें। इसी प्रकार अनुविभाग स्तर पर भी कार्यवाही की जाए। बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्री विनीत तिवारी, डिप्टी कलेक्टर श्री संतोष बिटौलिया के अलावा विभिन्न विभागों के जिलाधिकारी मौजूद रहे।

शासकीय विद्यालयों में अतिथि शिक्षकों के लिए आवेदन आमंत्रित

रायसेन, दोपहर मेट्रो।

शासकीय विद्यालयों में शिक्षण कार्य के लिए शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए रिक्त पदों पर अतिथि शिक्षकों की व्यवस्था की जानी है। इसके लिए इच्छुक नए आवेदकों को त्नस्नरू पोर्टल पर नवीन पंजीयन करना आवश्यक है। नवीन पंजीयन के लिए आवेदक को लिंक https://www.gfms.mp.gov.in के माध्यम से पंजीकरण करना होगा। पंजीयन में आधार ई-केवाईसी करना आवश्यक है। आवेदक शैक्षणिक एवं व्यावसायिक योग्यता की जानकारी दर्ज कर परीक्षण कर अपडेट करें। म.प्र. शिक्षक पात्रता परीक्षा 2018 या उसके उपरांत उत्तीर्ण की जानकारी दर्ज कर अपडेट करें। पंजीकरण में दर्ज समस्त योग्यताओं की मूल अंकसूची लेकर संकुल प्राचार्य से आवेदन को ऑनलाइन सत्यापन करायें।

संकुल प्राचार्य द्वारा पोर्टल पर ऑनलाइन सत्यापन के बाद स्कोर कार्ड जनरेट होगा। लोक शिक्षण संचालनालय ने जानकारी दी कि पूर्व से पंजीकृत आवेदकों को पुनः पंजीयन करने की आवश्यकता नहीं है। पूर्व से पंजीकृत आवेदक नवीन शैक्षणिक एवं व्यवसायिक योग्यता दर्ज करने के लिए प्रोफाईल अनलॉक करें, इसके बाद नवीन शैक्षणिक एय व्यवसायिक योग्यता की जानकारी अपडेट/संशोधन करे। आवेदकों को योग्यताओं के अपडेशन/सशोधन करने के बाद संकुल प्राचार्य से ऑनलाईन सत्यापन कराना होगा।

लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा संकुल प्राचार्यो को आवेदको द्वारा आवेदन में दर्ज समस्त योग्यताओं का मूल दस्तावेजों से मिलान कर जानकारी सत्य पाये जाने पर पोर्टल से ऑनलाइन सत्यापन का कार्य करने एवं आवेदन सत्यापन के उपरांत आवेदक को प्रिंट निकालकर देने के निर्देश दिए गए हैं।

मेट्रो एंकर

राजस्व महा अभियान 2.0 के क्रियान्वयन हेतु बैठक में दिए निर्देश

राजस्व संबंधी समस्याओं का निदान अविलंब हो: अपर कलेक्टर

विदिशा, दोपहर मेट्रो।

राजस्व महा अभियान 2.0 का क्रियान्वयन विदिशा जिले में जारी है। अभियान के क्रियान्वयन के संबंध में अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने आज शनिवार की सांयकाल समीक्षा बैठक कर राजस्व अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। बैठक में उन्होंने बताया कि अभियान कियान्वयन 31 अगस्त तक किया जाएगा।

अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने बैठक में उपस्थित पटवारियों को भी अभियान के क्रियान्वयन में शामिल बिंदुओं के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि राजस्व संबंधी समस्याओं का निदान अविलंब हो। अभियान का उद्देश्य राजस्व न्यायालय आरसीएमएस में समय सीमा पर लंबित प्रकरणों नामांतरण, बंटवारा अभिलेख दृष्टि का निराकरण नए राजस्व प्रकरणों को आरसीएमएस पर दर्ज कराना नक्शे पर तरमीम पीएम किसान का सैचुरेशन समग्र का आधार से ई-केवाईसी और खसरे की समग्र आधार से लिंकिंग एवं फार्मर रजिस्ट्री का क्रियान्वयन शामिल हैं। उन्होंने इन सभी कार्यो को समयावधि में पूर्ण कराए जाने के निर्देश दिए हैं।अपर कलेक्टर श्री डामोर ने राजस्व महाअभियान 2.0 के संबंध में जारी दिशा-निर्देश व अवधि दरमियान क्रियान्वित गतिविधियों के संबंध में कहा कि खसरों और नक्शे में अमल राजस्व सम्बन्धी सभी प्रकरण आरसीएमएस दर्ज कराए जाएं। ऐसे प्रकरण जो की अभी न्यायालय में ऑफलाईन प्रचलित है, अथवा किसी कारण से नम्बर से उतर गए हों, उन्हें आरसीएमएस पर दर्ज कराना सुनिश्चित करें। सभी राजस्व न्यायालय इन आदेशों का अभिलेखों में अमल करेंगे। ये कार्यवाही 31 जुलाई तक पूरी की जाए। अपर कलेक्टर श्री डामोर ने बैठक में आरसीएमएस पर लंबित प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण, नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरुस्ती, नक्शे में तरमीम, नक्शे में बटांकन होना एवं खसरे में नही होना, पीएम किसान सैचुरेशन, फार्मर रजिस्ट्री सहित अभियान के प्रचार-प्रसार के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभा कक्ष में आयोजित इस बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्री विनीत तिवारी, डिप्टी कलेक्टर श्री संतोष बिटोलिया, विदिशा एसडीएम श्री क्षितिज शर्मा तथा राजस्व अधिकारियों समेत पटवारी गण मौजूद रहे। खंड स्तरीय राजस्व अधिकारी भी उक्त बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे।

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक 25 को

विदिशा । कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक अब 25 जुलाई गुरूवार को आयोजित की गई है यह बैठक कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में दोपहर तीन बजे से शुरू होगी। बैठक में जिन एजेंडा बिंदुओं पर चर्चा की जाएगी के संबंध में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री एवं जिला जल स्वच्छता मिशन के सदस्य सचिव ने बताया कि जल मिशन की नल जल योजनाओं के कार्यो की समीक्षा प्रमुख रूप से की जाएगी इसके अलावा अन्य बिंदुओं पर इस दौरान जानकारी प्राप्त की जाएगी।

इस बैठक में वनमंडलाधिकारी, जिला पंचायत सीईओ, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपसंचालक, सम्राट अशोक संजय सागर के संचालक तथा जल निगम मर्यादित परियोजना क्रियान्वयन इकाई भोपाल के महाप्रबंधक उक्त बैठक में मौजूद रहेंगे।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना हनुमानगंज, भोपाल

क्र/था.प्र./ हनुमानगंज/ भो/ डी/ 38/2024 दिनांक 14/07/2024

जाहिर सूचना

तलाश तलाश तलाश तलाश

गुमशुदा का नाम व पता- अर्चना धुर्वे पति दर्शन सिंह राजपूत उम्र 25 साल निवासी गली नं. 02 अज्जू भाई किराने दुकान वाले का मकान फूटा मकबरा छोला रोड हनुमानगंज भोपाल

1.) हुलिया - रंग- सावला, चेहरा - लम्बा, ऊंचाई 5 फिट 2 इंच साड़ी बहने हैं साथ में 11 माह का बच्चा निवांश है।

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि थाना हनुमानगंज भोपाल में दिनांक 16/06/2024 को गुमशुदा अपने घर से बिना बताये कहीं चली गई हैं उसके साथ उसका 11 माह का लड़का निवांश भी है। सूचना पर गुम इंसान क्र. 38/24 का कायम का जांच में लिया गया। उक्त महिला के संबंध में कोई जानकारी या सूचना मिलती है तो थाना प्रभारी हनुमानगंज भोपाल को व मोबाईल नम्बरों 7049104288, 7587601742 पर सूचित करें।

थाना प्रभारी
थाना हनुमानगंज, भोपाल

G-13686/24

जिम से आने के बाद मसल्स करती हैं पेन? अपनाएं ये तरीके मिलेगी राहत

जिम ज्वाइन करने के शुरुआती दिनों में मसल्स पेन होना आम बात है. कुछ दिनों तक यह दर्द पूरे शरीर में रहता है. दौड़ना, साइकलिंग या वेट ट्रेनिंग के दौरान दर्द होता ही है. ऐसा इसलिए होता है क्योंकि जब हम वर्कआउट करना शुरू करते हैं तो मांसपेशियां एक्टिविटी करने के लिए तैयार नहीं होती है. उदाहरण के तौर पर समझिए जैसे हम जब पहली बार वेट ट्रेनिंग करते हैं तो हमारी मांसपेशियां वजन उठाने के लिए तैयार नहीं रहती है.

बॉडी को गर्म रखें

एक्सरसाइज के बाद मांसपेशियों को गर्म रखने से काफी राहत मिलती है. गर्म पानी से नहाएं या हॉट पैक लगाने से मांसपेशियां को आराम मिलती हैं. दरअसल, गर्मी से ब्लड सर्कुलेशन तेज होता है जिससे मांसपेशियों को अच्छे तरीके से ऑक्सीजन के साथ-साथ पोषक तत्व मिलते हैं. इसके अलावा गर्मी से मांसपेशियों का दर्द भी कम होता है जिससे खिंचाव या टाइटनेस की समस्या दूर हो जाती है.

मालिश करें

जब हम एक्सरसाइज करते हैं तो हमारी मांसपेशियों में खिंचाव होता है. मांसपेशियों को मसाज करने से दर्द दूर होता है. मालिश करने से से पोषक तत्व व ऑक्सीजन आसानी से मांसपेशियों तक पहुंचते हैं, जिससे मांसपेशियों का दर्द कम होता है. इसलिए अगर एक्सरसाइज के बाद मांसपेशियों में दर्द हो रहा हो तो 10-15 मिनट तक उन मांसपेशियों को हल्के हाथों से मालिश करना चाहिए. इससे तुरंत आराम महसूस होगा. लेकिन मालिश के दौरान दबाव ज्यादा न दें.

स्ट्रेच करें

जिम करने के बाद मांसपेशियों को स्ट्रेच करना बेहद जरूरी होता है. स्ट्रेचिंग करने से मांसपेशियां ढीली पड़ती है और इसके मसल्स में खिंचाव कम होता है. जब हम एक्सरसाइज करते हैं तो हमारी मांसपेशियां सिकुड़ने लगती है. स्ट्रेचिंग करने से मसल्स वापस अपनी स्थिति में आ जाती है. यह मांसपेशियों में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर बनाती है. जब भी आप एक्सरसाइज करने के बाद ठंडे हो जाए तो 5-10 मिनट के लिए स्ट्रेचिंग जरूर करें.

टीम चयन में 'गंभीर' सोच के मायने

टीम इंडिया के नए हेड कोच गौतम गंभीर की कोचिंग वाली नयी टीम पॉलिसी लागू हो चुकी है।बीसीसीआई ने श्रीलंका दौरे के लिए टीम इंडिया का ऐलान कर दिया है। भारतीय क्रिकेट टीम का श्रीलंका दौरा 27 जुलाई से शुरू होगा, जहां पर उसे तीन टी20 और इतने ही वनडे मुकाबले खेलने हैं। सीरीज का आखिरी मुकाबला7 अगस्त को खेला जाएगा। दरअसल इस दौरे से ही गौतम गंभीर का मुख्य कोच के रूप में कार्यकाल शुरू होगा।ऐसे में श्रीलंका दौरे पर जाने वाली टीम में चयनकर्ताओं का नजरिया इस बार बेहद गंभीर नजर आया है।भले ही चयनकर्ता वही हैं लेकिन उनके नजरिये में अब गंभीरता साफ देखी जा सकती है।दौरे के लिए टीम के कई खिलाड़ियों की किस्मत चमकी तो किसी को बुरी खबर मिली है।भले ही पहली नजर में सबसे बड़ा फैसला टी20 टीम की कप्तानी को लेकर माना जा रहा है जिसके तहत टी20 के लिए टीम इंडिया की कमान सूर्यकुमार यादव के हाथों में सौंपी है,लेकिन मेरे नजरिये में चयनकर्ताओं की सबसे गंभीर सोच उपकप्तान का चयन है।टीम इंडिया के श्रीलंका दौरे में दोनों ही फॉर्मेट के कप्तान भले ही अलग घोषित किये गए हैं लेकिन उपकप्तान की भूमिका में शुभमन गिल रहेंगे।गौरतलब है कि इसके पहले जहां टी20 में हार्दिक पंड्या को वहीं वनडे में के एल राहुल को उपकप्तान की जिम्मेदारी मिलती थी।शायद यही एक वजह थी जिस कारण यह कयास लगाये जा रहे थे कि श्रीलंका दौरे में हमेशा की तरह इन दोनों को रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में एक बार फिर कमान मिल जायेगी।सही मायने में बतौर उपकप्तान शुभमन गिल का चयन होना गंभीर की दूरगामी सोच का सबसे बड़ा कदम कहा जा सकता है वजह एकदम साफ यही होगी कि एक तो वह ऑल फॉरमेट खिलाड़ी व साथ ही उसका फिटनेस लेवल।अब यह देखना वाकई दिलचस्प रहने वाला है कि टेस्ट मैचों में टीम इंडिया आने वाले एक साल के लिए किसको उपकप्तानी देता है,क्योंकि 2025वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले तक रोहित शर्मा की अगुवाई तो बीसीसीआई के सचिव घोषित कर ही चुके हैं।अब अगर हम दोनों फोर्मेट के लिए चयनित टीम पर गौर करें तो कई बातें एकदम साफ नजर आती हैं। टीम में जहां फिटनेस को खास तवज्जो दी गई है,वहीं बड़े खिलाड़ियों को रेस्ट देने का भी नया फार्मूला भी नजर आ रहा है।वनडे मैचों के लिए कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली को शामिल करना और वेरी वेरी स्पेशल तेज गेंदबाज बुमराह को आराम देना बेहद सराहनीय पहल है।वैसे भी बल्लेबाजों को बार बार रेस्ट देने से उनकी लय ही खराब होती है।रोहित ओर विराट को वनडे में शामिल करना गंभीर की इसी सोच का हिस्सा हो सकता है।जबकि हार्दिक पंड्या ओर के एल राहुल की उपकप्तानी जाने की वजह उनकी फिटनेस ही कही जा सकती है।अब अगर इन दोनों खिलाड़ियों को टीम के सदस्य के अलावा अगर कोई बड़ी भूमिका हासिल करनी है तो उनको सबसे पहले लगातार अपने आपको फिट रखने पढ़ेगा,दोनो खिलाड़ियों की सबसे बड़ी कमजोरी रही है।इन सब बातों से इतर अगर हम टीम संयोजन की बात करें तो फिर इसमें भी तेज गेंदबाजी विकल्प के साथ विविधता भरी फिरकी को मौका दिया गया।बहुत दिनों बाद इन दोनों फोर्मेट में लेफ्ट आर्म ऑर्थडॉक्स,कलाई फिरकी के साथ ऑफ ब्रेक गेंदबाज(सुंदर) को शामिल किया गया है।इसके पहले छोटे फॉरमेट में जडेजा ओर अक्षर पटेल जैसे एक समान खिला?ी टीम का हिस्सा बनाया जाता रहा है,जो वाकई समझ से परे रहता था।कुल मिलाकर एक बात तय है कि टीम इंडिया में हेड कोच मिस्टर डिपेंडेबिल की जगह लेने वाले गौतम गंभीर ने श्रीलंका दौरे पर जाने वाली टीम के चयन से साफ कर दिया है कि उनके चयन का मापदंड ओर खेल का नजरिया उनके कार्यकाल में क्या रहने वाला है।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

भारत के पाकिस्तान आने की संभावना कम

पीसीबी के पूर्व अध्यक्ष ने दिया बड़ा बयान

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत ने अगले साल होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की यात्रा करने को लेकर अब तक कोई फैसला नहीं किया है। हालांकि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पूर्व अध्यक्ष खालिद महमूद का मानना है कि भारत अगले साल इस टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान की यात्रा नहीं करेगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से फिलहाल आधिकारिक रूप से इस बारे में कुछ नहीं कहा गया है, लेकिन बोर्ड सूत्रों की मानें तो टीम के पड़ोसी देश की यात्रा करने की संभावना कम है।

बीसीसीआई का काफी दबदबा है

महमूद ने कहा कि अगर भारत पाकिस्तान का दौरा नहीं करता है तो यह पीसीबी और आईसीसी के लिए नुकसान का सौदा होगा। महमूद ने कहा, इसकी बहुत कम संभावना है कि वे पाकिस्तान में खेलने के लिए सहमत होंगे। भारत सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड है और उसका काफी दबदबा है। अगर वे पाकिस्तान में अपनी टीम नहीं भेजते हैं तो मुझे लगता है कि श्रीलंका, अफगानिस्तान और बांग्लादेश जैसे देश भी उनकी राह पर चलेंगे। महमूद 1989 और 1999 में दो बार पाकिस्तान के जूनियर और सीनियर टीम मैनेजर के रूप में भारत जा चुके है। महमूद ने कहा कि पीसीबी को खेल और राजनीति को नहीं मिलाने की अपनी नीति का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा, भारत अगर पाकिस्तान का दौरा नहीं करेगा तो चैंपियंस ट्रॉफी का राजस्व प्रभावित होगा। इसके आयोजन का खर्च बढ़ेगा और मुनाफा कम होगा। इस स्तर पर आप केवल अपना पक्ष मजबूती से रख सकते हैं और अन्य बोर्डों को अपने पक्ष में करने के लिए मनाने की कोशिश कर सकते हैं। भारत का आईसीसी में बहुत अधिक दबदबा है, ऐसे में जैसे को तैसा की रणनीति अपनाने से पाकिस्तान को कोई फायदा नहीं होगा। जब बीसीसीआई कहता है कि वह अपनी टीम नहीं भेज सकता है और अपने मैच पाकिस्तान के बाहर खेलेगा, तो इससे पाकिस्तान के लिए आईसीसी कार्यक्रम की मेजबानी का उद्देश्य कम हो जाता है।

मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम जाएगी ऑस्ट्रेलिया

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ अपने घर में खेले जाने वाले 5 टेस्ट मैचों के लिए वेन्यू की घोषणा कर दी है. हालांकि पूरे कार्यक्रम की घोषणा अगले कुछ दिन में हो जाएगा. उम्मीद की जा रही है कि सीरीज का पहला मुकाबला पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में खेला जाए. एक रिपोर्ट के अनुसार इस स्टेडियम में 60 हजार नए सीट लगाए जाएंगे. पर्थ में भारतीय टीम ने कई ऐतिहासिक मुकाबला खेला है. इस स्टेडियम के रिनोवेशन के बाद यहां अभी तक 4 टेस्ट मैच खेले गए हैं, जिसमें सभी मुकाबलों में ऑस्ट्रेलिया ने बाजी मारी है. रिनोवेशन के बाद इस स्टेडियम में पहला मुकाबला भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया था, जहां कंगारुओं ने भारतीय टीम को 146 रन से शिकस्त दी थी. इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान, वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड को भी मात दी है. यहां की पिच तेज गेंदबाजी के लिए फादेमंद मानी जाती है और बड़ी बाउंड्री होने के नाते यहां रन बनाना बल्लेबाजों के लिए काफी मुश्किल हो जाता है. भारतीय टीम इस साल नवंबर के आखिर में ऑस्ट्रेलिया का दौरा कर सकती है. 2014-25 के बाद से भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में हारी नहीं है. 2018-19 में खेली गई सीरीज को भारत ने 2-1 से अपने नाम किया. 2020-21 में भी भारतीय टीम का पलड़ा भारी रहा और इस बार भी भारत ने 2-1 से सीरीज अपने नाम किया. सिर्फ ऑस्ट्रेलिया में ही नहीं भारतीय टीम भारत में भी कंगारुओं पर भारी पड़ी है और 2004 के बाद से कोई सीरीज नहीं गंवाई है। ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय टीम को इस साल के अंत में होने वाली टेस्ट सीरीज में हराने का मंत्र पता लगा लिया है. भारत इस साल के अंतिम महीनों में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करने वाला है. दोनों टीमों के बीच 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी. सीरीज का पहला मैच पर्थ में होगा और एडिलेड दूसरे टेस्ट मैच की मेजबानी कर रहा होगा. तीसरा और पांचवां टेस्ट क्रमशः ब्रिसबेन और सिड्नी में खेला जाएगा और चौथे मैच यानी बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच की बात करें तो ये पहले की तरह ऐतिहासिक मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा. दोनों टीमों की यह टेस्ट सीरीज साल 2024 के नवंबर महीने में शुरू होगी।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

'चंदू चैंपियन' के मुरीद हुए शॉटगन

एक्टर कार्तिक आर्यन के लिए कर डाली नेशनल अवॉर्ड की मांग

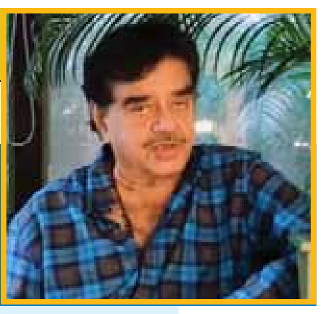

अभिनेता कार्तिक आर्यन ने इंडस्ट्री में अपना लोहा मनवाया है। बिना किसी गॉडफादर के एक आउटसाइडर होते हुए बॉलीवुड में उन्होंने अपनी अच्छी पहचान बना ली है। इन दिनों वे फिल्म 'चंदू चैंपियन' को लेकर चर्चा में हैं। कई फिल्मी हस्तियों ने भी कार्तिक की इस फिल्म के लिए उनकी तारीफ की है। अब इसमें दिग्गज अभिनेता और अब राजनीति की दुनिया में सक्रिय शत्रुघ्न सिन्हा का नाम भी जुड़ गया है। शत्रुघ्न सिन्हा ने कार्तिक आर्यन की न सिर्फ तारीफ की है, बल्कि उन्होंने उनके लिए नेशनल अवॉर्ड तक की मांग कर डाली है। शॉटगन के नाम से मशहूर शत्रुघ्न सिन्हा ने कार्तिक आर्यन की दिल खोलकर तारीफ की है। जूम के साथ बातचीत में कार्तिक की तारीफ करते हुए शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा, कार्तिक बेहद गंभीर और मेहनती बच्चा है। उन्होंने जो कामयाबी हासिल की है, वे उसके हकदार हैं। शत्रुघ्न सिन्हा ने कार्तिक की तारीफ करते हुए आगे कहा, फिल्म चंदू चैंपियन में क्या गजब का काम किया है उसने। फिल्म में अपने किरदार के प्रति उसकी शिद्दत और मेहनत साफ दिखाई पड़ती है। एक जुनून है उस बच्चे में। कृपया आप कार्तिक को मेरी तरफ से शुभकामनाएं दे देना। उसे इसके लिए राष्ट्रीय पुरस्कार सहित सभी पुरस्कार मिलने चाहिए। शत्रुघ्न सिन्हा का कहना है, जब मैं आया था तो मैं भी बाहरी था। इंडस्ट्री से मेरा कोई ताल्लुक नहीं था। अपने आत्मविश्वास के अलावा मेरे पास कुछ नहीं था, बिल्कुल कार्तिक की तरह। न तो मैं धर्मेंद्र या जितेंद्र या कहें उस वक्त के हीरो की तरह गोरा-चिट्टा था। एक्टर ने आगे कहा, हर 10 साल में इंडस्ट्री को एक ऐसा बाहरी कलाकार मिलता है, जो बॉलीवुड में अपना रुतबा जमाता है। अक्षय कुमार के बाद अगले कार्तिक ही हैं। कबीर खान खान के निर्देशन में बनी कार्तिक की फिल्म चंदू चैंपियन जून में रिलीज हुई थी। इस फिल्म के लिए कार्तिक आर्यन ने जीतोड़ मेहनत की।

भंसाली से रिजेक्ट हुए थे ताहा शाह, फिर 'हीरामंडी' में बने ताजदार

मशहूर निर्देशक संजय लीला भंसाली की डेब्यू वेब सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार ने इस साल काफी सुर्खियां बटोरी हैं। इस सीरीज में नजर आए कई कलाकारों के अभिनय की काफी तारीफ भी हुई है। ताहा शाह बदुशा भी उन कलाकारों में शामिल हैं, जिनकी इस वेब सीरीज की वजह से काफी चर्चा हुई है। उन्होंने इस सीरीज में ताजदार बलोच की भूमिका निभाई है। हालांकि, अब उन्हें लेकर एक दिलचस्प जानकारी सामने आई है, जिसमें पता चला है कि संजय लीला भंसाली ने उन्हें एक बार रिजेक्ट कर दिया था। ताहा शाह बदुशा ने साल 2011 में रिलीज हुई फिल्म लव का द एंड से डेब्यू किया था। हालांकि, उन्हें पहचान इस साल रिलीज हुई हीरामंडी के ताजदार की भूमिका से मिली है। हाल में ही फिल्मफेयर को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने एक दिलचस्प खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें शुरू में हीरामंडी- द डायमंड बाजार के लिए कास्ट नहीं किया गया था। ताजदार बलोच से पहले उन्हें कोई और रोल मिल गया था। हालांकि, फिर संजय लीला भंसाली ने उन्हें रिजेक्ट कर दिया और उन्हें दूसरे मौके तलाशने को कहा गया। अभिनेता ने कहा कि उन्हें एक फोन आया और पता कि उन्हें यह रोल नहीं दिया जा सकता। निर्माता इसे लेकर अब कुछ अलग प्लान कर रहे हैं। इस खबर से वह काफी दुखी भी हुए और संजय लीला भंसाली के ऑफिस पहुंचे। उन्होंने निर्देशक के आगे विनती करनी शुरू कर दी कि उन्हें इस भूमिका के लिए चुना जाए। इससे पहले की निर्देशक कुछ कह पाते, उन्होंने विनती करनी शुरू कर दी थी। इसके बाद भंसाली ने उन्हें शांत कराते हुए कहा कि उनके दिमाग में अभिनेता के लिए कोई और भूमिका है। संजय चाहते थे कि वो अभिनेता का ताजदार बलोच के लिए ऑडिशन करें। ताहा ने इसे अपने जीवन का सबसे बड़ा सरप्राइज बताया। उन्होंने इस भूमिका में अपना सर्वश्रेष्ठ देने का वादा किया। अभिनेता ने कहा कि संजय लीला भंसाली एक परफेक्शनिस्ट हैं। उन्होंने कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि वह एक कठोर टास्कमास्टर हैं।

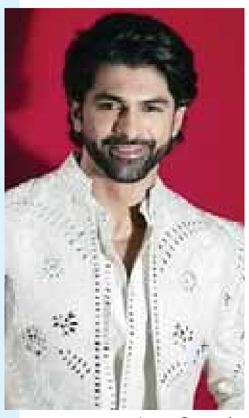

पिता के साथ पर्याप्त समय ना बिता पाने का अफसोस

ऋषि कपूर से आंख तक नहीं मिला पाते थे रणबीर कपूर

रणबीर कपूर हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के जाने माने कलाकार हैं। हाल में ही उन्होंने अपने दिवंगत पिता के साथ अपने संबंधों को लेकर खुल कर बात की है। उन्होंने कहा है कि वो अपने पिता से आंख तक नहीं मिला पाते थे। रणबीर कपूर आज बॉलीवुड के बड़े सितारों में से एक हैं। अपनी बहुमुखी अभिनय क्षमता के दम पर उन्होंने इंडस्ट्री में अपने लिए एक बड़ा मुकाम हासिल किया है। उनकी पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'एनिमल' के बाद से उनके करियर में एक ब्लॉकबस्टर फिल्म भी जुड़ गई है। पर्दे पर आशिक मिजाज और बेबाक किरदार निभाने वाले अभिनेता अपनी निजी जिंदगी में पिता से आंखे तक नहीं मिला पाते थे। हाल में ही एक पॉडकास्ट के दौरान, रणबीर ने अपने पिता और दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर के साथ अपने संबंधों को लेकर बातचीत की है। चार साल पहले अपने पिता को खो चुके अभिनेता ने उनके साथ अपने रिश्ते पर खुलकर बात की है। इस दौरान उन्होंने अपने पिता के स्वाभाव को याद करते हुए कई बाते कीं और अपने द्वारा उनके लिए सम्मान दिखाने के तरीके पर भी बात की। इस पॉडकास्ट के एक ट्रेलर प्रोमो में रणबीर कहते हैं कि उनके पिता को बहुत ज्यादा गुस्सा आता था, लेकिन वह बहुत अच्छे इंसान थे। इस बीच उन्होंने ये भी कहा कि उन्होंने कभी पिता से आंख नहीं मिलाया और उन्होंने कभी अपने पिता की आंखो का रंग नहीं देखा। इस दौरान अभिनेता ने बताया कि वह कभी उन्हें न नहीं कह पाते थे। रणबीर की पिछली फिल्म में भी पिता-पुत्र के संबंध का जिक्र किया गया है। पिछले साल हैदराबाद में एनिमल के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान रणबीर ने अपने दिवंगत पिता ऋषि कपूर के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा था कि उनके पिता को घूमना काफी पसंद था, इसलिए वह बहुत ज्यादा यात्रा करते थे। इस वजह से दोनों के बीच कभी दोस्ताना संबंध नहीं बन पाए। इसे लेकर उन्होंने दुख जाहिर करते हुए कहा था कि उन्हें अफसोस है कि वो दोनों एक साथ कभी पर्याप्त समय नहीं बिता पाए। इस साल की शुरुआत में द ग्रेट इंडियन कपिल शो में भी रणबीर ने अपने पिता को लेकर बात की थी। उन्होंने इस दौरान मजाकिया अंदाज में कहा था कि सोशल मीडिया के आने से पहले ही उनके पिता एक असली ट्रोल थे। इस दौरान उन्होंने बचपन की एक याद को साझा करते हुए बताया था कि उनके पिता कैसे चाची को फोन कर चिढ़ाया करते थे।

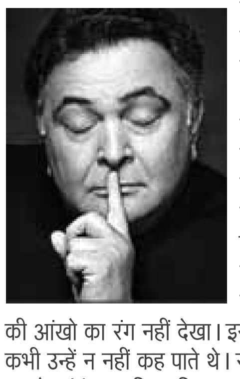

काम के बिना कैसे चल रही रिया चक्रवर्ती की आजीविका?

अभिनेत्री बोलीं- लोगों ने चुड़ैल का टैग दिया था

सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद रिया चक्रवर्ती जबर्दस्त सुर्खियों में रहीं। अभिनेता की मौत की वजह रिया को बताया गया। हालांकि, ये आरोप कभी साबित नहीं हुए। इसके बाद अभिनेत्री को नशीली दवाओं से संबंधित मामले में कथित संलिप्तता के कारण गिरफ्तार किया गया था। उन्हें 2020 में जमानत दे दी गई थी और उसके बाद, अभिनेत्री जीवन में आगे बढ़ने की पूरी कोशिश कर रही हैं। हाल ही में रिया ने अपना पॉडकास्ट लॉन्च किया और अपने जीवन के काले दिनों और उतार-चढ़ाव के बारे में बात की। सुष्मिता सेन के साथ बातचीत में रिया चक्रवर्ती ने बताया कि उनका पॉडकास्ट चैप्टर 2 उनके अपने जीवन से प्रेरित है। अभिनेत्री ने कहा कि वह अपने जीवन में एक विशेष चरण के दौरान बहुत कुछ झेल चुकी हैं, और जबकि हर कोई इसके बारे में जानने का दिखावा करता है, वास्तव में वे कुछ नहीं जानते हैं। रिया ने कहा कि काफी कुछ करने के बाद वह वापस से ठीक महसूस कर रही हैं और यह उनके लिए पुनर्जन्म जैसा है, जिसे वह उन सभी के साथ मनाना चाहती हैं जो अपने जीवन में दूसरे अध्याय के साथ आगे बढ़ चुके हैं। उसी बातचीत में, रिया चक्रवर्ती ने उल्लेख किया कि लोगों को अक्सर आश्चर्य होता है कि वह आजीविका के लिए क्या करती हैं क्योंकि वह अब फिल्मों में नहीं देखी जाती हैं। अभिनेत्री ने कहा कि मोटिवेशनल स्पीकिंग के जरिए ही वह पैसा कमाती हैं। रिया ने मजाक में कहा कि उनके पास कमरे में प्रवेश करते ही पूरे कमरे का ध्रुवीकरण करने की महाशक्ति है। उन्होंने कहा कि लोगों ने उन्हें चुड़ैल का टैग दिया था और उन पर काला जादू करने का भी आरोप लगाया था, जबकि कुछ अन्य लोग कहेंगे कि अभिनेत्री वास्तव में मजबूत हैं और उनमें साहस है। रिया ने बताया कि समय के साथ उन्हें एहसास हुआ कि वास्तव में इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन आपसे नफरत करता है या कौन आपसे प्यार करता है।

एक्टिवा ब्रिज की दीवार से टकराई, पांच साल के मासूम बच्चे की मौत

बच्चे को पैरेंट मीटिंग में ले जाते समय हुआ हादसा, सिर में थी गंभीर चोट

भोपाल, दोपहर मेट्रो। गांधी नगर थाना क्षेत्र स्थित एयरपोर्ट रोड ब्रिज पर बनी दीवार से शनिवार सुबह एक्टिवा टकरा गई। इस हादसे में एक्टिवा में सामने खड़े पांच साल के मासूम की मौत हो गई, जबकि मां को गंभीर चोट होने के कारण निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि हादसा मां की लापरवाही से एक्टिवा चलाते समय हुआ। पुलिस हादसे की जांच कर रही है।

मुंह और नाक से बह गया था खून

सूचना मिलते ही गांधी नगर थाने से पहुंची हेड कांस्टेबल अशोक देशवाली ने घटनास्थल का निरीक्षण किया तो पता चला कि एक्टिवा सामने से दीवार में टकराई थी। एक्टिवा सामने से बुरी तरह से टूटी हुई थी। एक्टिवा में सामने खड़े होने के कारण आरव को मुंह और नाक में गंभीर चोट थी और काफी खून बह गया था। हादसे में एक्टिवा चला रही आरव की मां को सिर में गंभीर चोट है। एक्टिवा कविता अहिरवार की गलती से टकराई या फिर उसे किसी वाहन ने पीछे से टक्कर मारी थी। इसकी जांच की जा रही है।

पुलिस के अनुसार राहुल अहिरवार, शांति नगर गांधी नगर में रहते हैं और प्राइवेट काम करते हैं। उनका पांच साल का बेटा आरव था। शनिवार सुबह पिता ड्यूटी गए थे और आरव की पैरेंट मीटिंग होनी थी। सुबह आरव को मां कविता अहिरवार एक्टिवा से लेकर उसके स्कूल के लिए निकली थी। इस दौरान आरव एक्टिवा में सामने खड़ा था। मां बेटे एयरपोर्ट रोड ब्रिज पर सुबह करीब सवा 11 बजे के आसपास पहुंचे ही थे कि मां से एक्टिवा अनियंत्रित हो गई और ब्रिज की दीवार में जा घुसी। एक्टिवा में सामने खड़े आरव को सिर में गंभीर चोट आई थी, जबकि मां को भी गंभीर चोट थी। राहगीर तत्काल ही दोनों को पास स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां आरव को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

घर के सामने बैठे युवक को कार सवार ने मारी टक्कर, मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बिलखिरिया थाना क्षेत्र स्थित कान्हा सइया में बीती रात करीब 11 बजे घर के बाहर बैठे युवक को कार चालक ने तेजी और लापरवाही से कार चलाते हुए टक्कर मार दी। हादसे के बाद उसे परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे थे, वहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार कमल आनंद पिता लखनलाल (24) नवीन बस्ती कान्हा सइया बिलखिरिया में रहताड़था और प्राइवेट काम करता था। कल शनिवार रात वह घर के बाहर बैठा था, तभी पड़ोस में रहने वाला एक व्यक्ति अपनी कार लेकर वहां से निकला और कमल को चपेट में ले लिया। कार की चपेट में आने से कमल आनंद को गंभीर चोट आईड़थी। उसे अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना हैड़कि कार जब्त कर ली है। आरोपी चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

बाइक फिसलने से तीन घायल, चालक पर केस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गुनगा इलाके में एक तेज रफ्तार बाइक फिसल गई, जिससे उस पर सवार तीन युवक घायल हो गए। इलाज कराने के बाद युवक ने थाने जाकर बाइक चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज करवाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार राहुल मेहर (19) ग्राम गरेठिया दांगी थाना बैरसिया में रहता है। पिछले महीने 16 जून की शाम करीब साढ़े पांच बजे वह अपने दोस्तों मोहित जाटव और पंकज जाटव के साथ बाइक से भोपाल आ रहा था. बाइक पंकज जाटव की थी और वही चला रहा था। राहुल ने उसे की बार ठीक से बाइक चलाने की समझाईश दी, लेकिन वह लापरवाहीपूर्वक बाइक चलाता रहा। गुनगा थानांतर्गत ग्राम हिनौती स्थित ढाबे के पास उसकी बाइक फिसल गई। इससे तीनों युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गए। राहगीरों की मदद से तीनों युवकों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। राहुल को गंभीर चोट आई थी। करीब एक महीने तक इलाज कराने के बाद राहुल ठीक हुआ तो थाने जाकर बाइक चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज करवाया।

कार रिवर्स करते एक साल की बच्ची की दबने से मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रातीबड़ के बरखेड़ी खुर्द में रिवर्स करते समय कार की चपेट में आने से एक साल की बच्ची की मौत हो गई। बच्ची के माता-पिता एक फार्म हाउस में मजदूरी कर रहे थे। बच्ची खेलते हुए कार के पीछे आ गई। फार्म हाउस के मालिक को पता नहीं चला और कार रिवर्स करते ही बच्ची कार की चपेट में आ गई। उसके सिर पर चोट लगी। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन बच्ची ने दम तोड़ दिया। रातीबड़ पुलिस ने बताया कि सीहोर के रहने वाले राजू बोरेले पत्नी और एक साल की लक्ष्मी के साथ एक साल पहले ही भोपाल आए थे। वे धर्मेंद्र विश्वकर्मा के फार्म हाउस में रह रहे थे। वहीं काम करते थे। घुटनों के बल कार के पीछे पहुंची बच्चीफा र्म हाउस मालिक धर्मेंद्र कार पार्क कर अंदर गए। इस बीच लक्ष्मी घुटने के बल चलते हुए कार के पीछे पहुंच गई। सुबह 9.30 बजे धर्मेंद्र वापस जाने के लिए कार रिवर्स कर रहे थे, तभी बच्ची उनकी कार की चपेट में आ गई।

पति-पत्नी में कहासुनी, परिवार को घर से बाहर निकाल लगाई फांसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

खजूरी सड़क थाना क्षेत्र स्थित बरखेड़ा सालम में कल शनिवार रात एक युवक ने फांसी लगा ली। फांसी लगाने से पहले उसका पत्नी और बच्चों से विवाद हुआ था। विवाद बड़ने पर उसने पत्नी और बच्चों को घर से बाहर निकाल दिया। इसके बाद कमरे में फांसी लगा ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। पुलिस के अनुसार बरखेड़ा सालम निवासी ओमप्रकाश अहिरवार पिता बख्शीलाल अहिरवार (42) मजदूरी करता था। करीब डेड़ महीने पहले एक्सीडेंट होने के कारण उसके पैर में फैक्चर हो गया था। पैर में फैक्चर होने के कारण वह काम पर नहीं जा रहा था। उसके परिवार में पत्नी के अलावा दो बेटियां और एक बेटा है। रात करीब साड़े दस बजे खाने की बात को लेकर ओमप्रकाश का पत्नी और बच्चों से विवाद हो गया। विवाद बड़ने पर ओमप्रकाश ने पत्नी और बच्चों को घर से बाहर निकाल दिया और कमरे की कुंदी अंदर से बंद कर फांसी लगा ली। पत्नी ने काफी देर तक प्रयास किया, लेकिन उसने अंदर से दरवाजा नहीं खोला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह दरवाजा तोड़ा तो अंदर ओम प्रकाश का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है।

बुजुर्ग से मोबाइल छीनकर भागने वाले लुटेरे बेसुराग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित कल्पना नगर में घर के बाहर बुजुर्ग से मोबाइल झपटने वाले लुटेरों का अब तक सुराग नहीं लग सका है। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। करीब पचास से ज्यादा फुटेज देख चुकी पुलिस को कुछ संदिग्ध नजर आए हैं। उन संदिग्ध के ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। उल्लेखनीय है कि कल्पना नगर, पिपलानी निवासी 64 साल के अरुण कुमार, नगर निगम में कर्मचारी थी। गुरुवार 18 जुलाई की रात करीब आठ बजे वह खाना खाने के बाद घर के बाहर टहल रहे थे और मोबाइल पर बातचीत कर रहे थे। इसी बीच पीछे से एक बाइक पर सवार दो लुटेरे पहुंचे। पीछे बैठे लुटेरे ने उनके हाथ से मोबाइल झपट लिया। लूटे गए मोबाइल की कीमत 12 हजार रुपए बताई जा रही है।

दुकान के सामने रखा सिगरेट का कार्टून चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मंगलवारा स्थित एक दुकान के बाहर रखा सिगरेट के डिब्बों से भरा कार्टून चोरी हो गया। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। कार्टून के अंदर रखी सिगरेट के डिब्बों की कीमत का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस के मुताबिक रितिक जैन (23) शंकराचार्य नगर बजरिया में रहते हैं और छावनी रोड मंगलवारा पान मसाले की दुकान चलाते हैं। पिछले दिनों उनके पिता रमेश जैन ने दुकान खोली और सिगरेट का एक कार्टून दुकान के बाहर रख दिया। अंदर का सामान व्यवस्थित करने के बाद उन्होंने बाहर रखा कार्टून उठाना चाहा तो पता चला कि वह गायब हो चुका है। कार्टून के भीतर 25 डिब्बे अमेरिकन सिगरेट के भरे हुए थे। चोरी गए कार्टून की की सही कीमत बिल पेश करने पर पता चल पाएगी, लेकिन अनुमान है कि 75 हजार से अधिक का माल रहा होगा। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। दुकान के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

आधा दर्जन दोपहिया वाहन ले उड़े बदमाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर के अलग-अलग इलाकों से चोर आधा दर्जन दोपहिया वाहन चोरी कर ले गए। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है, लेकिन एक भी वारदात के आरोपियों का सुराग नहीं लग पाया है। पुलिस के मुताबिक मो. इरफान सिद्दीकी (33) बागमुंशी हुसैन खां शाहजहांनाबाद में रहते हैं और कपड़ों की दुकान चलाते हैं। बीते दिवस वह अपने पिताजी का इलाज कराने के लिए सिल्वर लाइन अस्पताल लेकर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने अपनी बाइक अस्पताल के सामने बनी पार्किंग में खड़ी की थी। करीब एक घंटे बाद वापस लौटे तो पार्किंग में खड़ी उनकी बाइक चोरी हो चुकी थी। इधर मो. तारिक (52) की सुकरा मस्जिद के पास खड़ी मोटर सायकिल चोरी चली गई। पुलिस ने बताया कि मो. तारिक कोर्ट रोड शाहजहांनाबाद में रहते हैं। बीते दिवस वह बाइक खड़ी कर नमाज पड़ने के लिए चले गए थे। कुछ देर बाद लौटे तो बाइक गायब हो चुकी थी। इधर ऐशबाग थानांतर्गत प्रभात चौराहा स्थित मेट्रो सिटी अस्पताल के पास से मो. जुबेर सिद्दीकी और हाता मनकशा से मंसूर खान की स्कूटर चोरी चली गई। एमपी नगर स्थित इंडस बैंक के पास से संजय उइके और हाउसिंग बोर्ड कालोनी निशातपुरा से राजेश शिवहरे की बाइक चोरी हो गई। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

मेट्रो एंकर | कोर्ट के आदेश के बाद मां बेटे समेत अन्य पर धोखाधड़ी की एफआईआर

डंपर फाइनेंस कराने के बाद नहीं चुकाई किश्त, प्रकरण दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित टाटा मोटर्स से डंपर लेकर किश्त नहीं चुकाने और डंपर नहीं लौटाने वाले सख्श और उसकी मां समेत अन्य पर पुलिस ने धोखाधड़ी, अमानत में खयानत और फर्जी दस्तावेज बनाने का प्रकरण दर्ज किया है। उक्त प्रकरण कोर्ट के आदेश के बाद दर्ज किया गया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज करते हुए आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार आमीर खान उसकी मां परवीन समेत कुमरान बुंदेला पर धोखाधड़ी और अमानत में खयानत का मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों द्वारा वर्ष 2022 में मिसरोद के टाटा मोटर्स से एक डंपर फायनेंस कराया गया था। डंपर फायनेंस कराने के बाद आरोपियों द्वारा न तो डंपर की किश्त जमा कराई गई और न ही डंपर कंपनी को लौटाया गया। इसके बाद कंपनी ने कोर्ट में परिवाद दायर किया था। कोर्ट से आदेश मिलने के बाद पुलिस ने टाटा मोटर्स के कर्मचारी मीतू भटनागर (40) की शिकायत पर अमीर खान, परवीन और कुमरान बुंदेला के खिलाफ धोखाधड़ी और अमानत में खयानत समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया**
संपादक आशीष दुबे* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022